



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ३१]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त ३, १९७४ (श्रावण १२, १८९६)

No. 31]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 3, 1974 (SRAVANA 12, 1896)

इस भाग से मिलन पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ सोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय
महानिवेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल
नई दिल्ली-११०००१, दिनांक १० जून १९७४

सं. श्रो०-II-८८५/६९-स्थापना —श्री टी० सी० गोयल
पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय (पूर्ति विभाग) के एक स्थायी सहायक
जो कि प्रतिनियुक्ति पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में थे, से ६० दिन
के अर्जित अवकाश पर जाते हुये अनुभाग अधिकारी के पद का
कार्यभार २० मई, १९७४ (पूर्वाह्न) को त्याग दिया।

२. छुट्टी की समाप्ति पर वे अपने मूल मंत्रालय, पूर्ति और
पुनर्वास मंत्रालय (पूर्ति विभाग) में परावर्तित समझे जायेंगे।

सं. एफ० ७/१४/७४-स्थापना —राष्ट्रपति, स्वास्थ्य विभाग
के श्री एस० पी० कायापालिया, सहायक को अनुभाग अधिकारी
के पद पर महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में अगले
आदेश जारी होने तक अस्थायी रूप में, नियुक्त करते हैं।

२. वे महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के इमारती
विभाग में स्थानापन्न किये जाते हैं और उन्होंने अपने पद का
कार्यभार २० मई, १९७४ (पूर्वाह्न) को संभाल लिया है।

सं. श्रो०-II-७०/७४-स्था० —राष्ट्रपति, ल० कर्नल ऐरों
सिंह को अस्थायी रूप में अगले आदेश तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस
दल में कमांडेन्ट के पद पर पुनः नियुक्त कि करते हैं।

२. उन्होंने ३५वीं वाहिनी केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के कमां-
डेन्ट का कार्यभार ७ मई, १९७४ (पूर्वाह्न) को सम्भाल लिया है।

३. उन्होंने गृह मंत्रालय में मुख्य सुरक्षा अधिकारी की प्रति-
नियुक्ति पर ३५वीं वाहिनी केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के कमांडेन्ट
का कार्यभार ७ मई, १९७४ (पूर्वाह्न) को दे दिया।

दिनांक २१ जून १९७४

सं. श्रो०-II-८८४/६९-स्था० —श्री जे० एस० शर्मा,
प्रशासन अधिकारी ने, १० दिन के अर्जित अवकाश पर जाते हुए,
वित्त मंत्रालय (रक्षा विभाग) भारत सरकार के स्थायी सहायक
जो कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में प्रतिनियुक्ति पर थे, महा-
निवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, नई दिल्ली में प्रशासन
अधिकारी के पद का कार्यभार १६ मई, १९७४ (अपराह्न) को
त्याग दिया।

२. छुट्टी की समाप्ति पर वे अपने मूल मंत्रालय अर्थात्
वित्त मंत्रालय (रक्षा विभाग) में परावर्तित समझे जायेंगे।

सं. एफ० ७/१४/७४-स्था० —राष्ट्रपति, श्री य० एच०
वजीरानी, परिवहन तथा जहाजरानी मंत्रालय (परिवहन खंड)
के एक सहायक को प्रतिनियुक्ति पर अस्थायी रूप में अगले आदेश
जारी होने तक महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, नई
दिल्ली में अनुभाग अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

२. वे महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, नई दिल्ली
के प्रशासन विभाग में नियुक्त किये जाते हैं और उन्होंने अपने पद
का कार्यभार १८ मई, १९७४ (अपराह्न) को संभाल लिया है।

दिनांक 24 जून 1974

सं० ओ०-II-650/70-स्थापना —महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल दुख के साथ अधिसूचित करते हैं कि श्री पी० जी० चन्द्रोरकर, उप-पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमांडर) 23वीं बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, जो कि मध्य प्रदेश राज्य पुलिस से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में प्रतिनियुक्ति पर है उनका स्वर्गवास 13 मई, 1974 के अपराह्न हो गया।

दिनांक 28 जून 1974

सं० एफ० 3/1/73-स्था —राष्ट्रपति, श्री आर० पी० तिवारी, महायक कमांडेन्ट को उनकी पदोन्नति पर तदर्थे रूप में अस्थायी रूप में अगले आदेश जारी होने तक कमांडेन्ट के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. उन्होंने सहायक कमांडेन्ट स्टाफ अधिकारी आई० जी० पी० सैकटर-१, के पद का कार्यभार 25 मई, 1974 (अपराह्न) को त्याग दिया तथा तदर्थे रूप में कमांडेन्ट के पद का कार्यभार 13 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में 5 जून, 1974 (पूर्वाह्न) को संभाल लिया है।

एस० एन० माथुर,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक, 21 जून 1974

सं० सी० ई० आर०/22/74—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 20 और 21ए में प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा निदेश देता हूं कि कताई मिल रखने वाला प्रत्येक विनिर्माता, या ऐसे विनिर्माताओं का समूह, 30 सितम्बर, 1974 को समाप्त होने वाली तिमाही में नियंत्रित वस्त्र की इतनी मात्रा पैक करेगा, जो उसके द्वारा 31 मार्च, 1974 को समाप्त होने वाली तिमाही में पैक की गई वस्त्र की वर्ग मीटरों में सम्पूर्ण मात्रा के 24 प्रतिशत से कम न होगी, या 6.88 वर्ग मीटर प्रति आठ घंटे की लूम शिफ्ट के आधार पर होगी जो 31 मार्च, 1974 को समाप्त होने वाली तिमाही में उसके द्वारा चलाई गई लूम शिफ्ट की संपूर्ण संख्या से संबंधित होगी।

“स्पष्टीकरण एक—इस अधिसूचना के अन्तर्गत ‘नियंत्रित वस्त्र’, के श्रेष्ठ में ‘नियंत्रित धोती’, ‘नियंत्रित साड़ी’, ‘नियंत्रित लांग ब्लाथ’, ‘नियंत्रित शर्टिंग’, और नियंत्रित ड्रिल शामिल हैं जिनकी परि-

भायाएं वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/1/68 दिनांक 2 मई, 1968 में दी गई हैं।

स्पष्टीकरण दो—पैक वस्त्र की संपूर्ण मात्रा या चलाई गई लूम शिफ्ट के संगेन का आधार इस कार्यालय को भेजे गये संबंधित सी० एस० टी०-प्रपत्र में दी गई सूचना होगी।”

इन्दु विकास दस्त,
अपर वस्त्र आयुक्त

इस्पात और खास मंत्रालय

(खास विभाग)

भारतीय भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक अगस्त 1974

गुद्धिपत्र

सं० 2222 (एएमके)/19 ए० —इस कार्यालय की सम-संख्यक अधिसूचना दि० 8 मई, 1974 में अधिसूचित की गई भारतीय भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भौवैज्ञानिक (वरिष्ठ) श्री ए० एम० खान की मृत्यु तिथि को 3 फरवरी, 1974 के बजाय 1 फरवरी, 1974 पढ़ा जाये।

सी० कहणाकरन,
महा निदेशक

कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विपणन एवं नियंत्रण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 6 जुलाई 1974

सं०फ० ४-६(६)/७४-प्र०-१—संघ सोक सेवा आयोग द्वारा संस्तुति किए जाने पर श्री एच० सी० सिरका, को विपणन एवं नियंत्रण निदेशालय के अधीन बनारस में दिनांक 15 मई, 1974 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन सहायक विपणन-अधिकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया गया है।

एन० के० मुरलीधर राव
कृषि विपणन,,
सलाहकार

कार्यालय महानिवेशक नागर विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 9 जुलाई 1974

सं० ए-32013/5/74-ई० ए०—राष्ट्रपति ने, श्री उबल्यू० बी० बी० जान, सहायक विभागक्षेत्र अधिकारी को 26 जून, 1974 से अगले आदेश जारी होने तक नागर विभाग विभाग में स्थानापन रूप में विभागक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है। श्री जान को मप्रास एपरपोर्ट, मद्रास में तैनात किया जाता है।

सं० ए-32013/5/74-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक विभागक्षेत्र अधिकारियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेश जारी होने तक नागर विभाग विभाग में तदर्थ आधार पर विभागक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	नाम	स्टेशन	तारीख
1. श्री बी० आर० विश्वनाथन	भोपाल	1-7-1974	
2. श्री के० एस० प्रसाद	मोहन बाड़ी	26-6-1974	
3. श्री एन० डी० घोष	दमदम	14-5-1974	
4. श्री रवि तन्त्रज्ञा	अगरतला	18-6-1974	
5. श्री सी० आर० राव	राजकोट	17-6-1974	
6. श्री कुंदन लाल	ओरंगाबाद	5-6-1974	
7. श्री जे० के० सरदना	श्री नगर	14-6-1974	
8. श्री जी० बी० के० नायर	क्षेत्रीय निवेशक, बन्द्रई	30-5-1974	
9. श्री एस० दयाल	सफदरजंग	8-7-1974	
10. श्री ए० टी० वर्गिस	कुम्भीग्राम	21-5-1974	
11. श्री के० बी० एस० राव	रायपुर	18-6-1974	
12. श्री एन० पी० शर्मा	सफदरजंग	16-5-1974	
13. श्री एस० के० बनर्जी	सफदरजंग	17-6-1974	
14. श्री आर० कोडाडरामन	तिरुपति	19-6-1974	

सुरजीत साल बण्डपुर,
सहायक निवेशक (प्रशासन)।

वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण

देहरादून, दिनांक जुलाई 1974

सं० 4-8/74-एडीएम —वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली के सांचिक अनवेषक श्री एच० आर० मिश्रा को 4 जून, 1974

(पूर्वाह्न) से अस्थाई स्वप्न से आगामी आदेशों तक प्रतिनियुक्त के आधार पर वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण, देहरादून में सांचिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० गुप्ता,
मुख्य समन्वय कर्ता

नारकोटिक्स विभाग

ऋग संख्या-11—श्री के० बी० माणि, अधीक्षक (प्रशासन) सरकारी अफीम और ऐलेक्ट्रिक कारखाना, गाजीपुर, को 1 जुलाई 1974 से रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 810 के ब्ररण पर दक्षतारोध पार करने की अनुमति दी जाती है, अशते महालेखाकर उत्तर प्रदेश-II, इलाहाबाद द्वारा उक्त तारीख और चरण की पुष्टि की जाती है।

वि० रा० सोनालकर,
नारकोटिक्स आयुक्त

केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

(जल स्कन्ध)

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई, 1974

सं० क-32012/6/70-प्रशा०-5—इस आयोग की प्रधिसूचना संख्या क-32012/6/70 प्रशासन-5 दिनांक 16-1-74 के क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग एतद्वारा निम्नलिखित अनुसंधान सहायकों को केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में पूर्णतः अस्थाई तथा तदर्थ रूप में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तिथियों से तीन माह की अवधि के लिए अथवा इन पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो पहले ही, नियुक्त करते हैं:—

1. श्री के० एन० अप्पुकुट्टन	10-4-74
2. श्री एस० एन० मोन	10-4-74
3. श्री जे० बी० सालिगराम	10-4-74
4. श्री एम० एस० शिटोल	10-4-74

के० पी० बी० मेनन,
प्रबर सचिव
कृते अध्यक्ष,

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून 1974

निर्देश सं० जे-३/७३(२४) ३/२१—यतः मुझे, वी० पी० मिस्ल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 6 है, जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तररक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तित्वों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269 च के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती सत्यगुप्तारी देवी विधवा डा० रूपनारायण जी माथुर,
- (2) महेन्द्रनारायण बहैसियत खुद व बहैसियत मुख्यारायण, (3) देवेन्द्र कुमार,

(4) रवीन्द्र कुमार पुत्रान डा० रूपनारायण माथुर

(5) कुमारी अजिला रजीनी पुत्री डा० रूपनारायण ।

(अस्तरक)

2 (1) श्री ग्रजय मंगल,

(2) जयमंगल नाबालिंग पुत्रान श्री राधेश्याम जी मंगल (संरक्षक) प्लामगढ़ हाउस, चांदपोल गेट बाहर, जयपुर । (अन्तरिती)

3. श्रीमती नारायणी देवी (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिकायित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस व्यायाम में दिया गया है ।

अनुसूची

विष्वन बाग, संसार चन्द्र रोड, चांदपोल बाहर, चौकड़ी हवाली शहर, जयपुर में प्लाट नं० 6, प्लाट का कुल क्षेत्र फल 966 ८६ बर्ग गज में से 300 बर्ग गज ।

बी० पी० मिस्ल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 11 जून, 1974

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस० ——————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक 11 जून, 1974

निर्देश सं० के०-15/73 (21) 76/102—यतः मुझे वी० पी० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० खुली जमीन (प्लाट) है, जो खेरली पुरोहित में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कोटा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9 नवम्बर, 73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायदाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सज्जन दास मोहन आत्मज श्री कुमानदाम निवासी पुरानी धान मंडी, कोटा।

(अन्तरक)

2. (1) सर्वश्री प्रताप चन्द्र पुत्र श्री मूरजराम

(2) मूरज राम पुत्र चौथराम

(3) रामेश्वर प्रसाद पुत्र श्री रामगोपाल जी गमानपुरा, कोटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप दिया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट की जमीन जिसका क्षेत्रफल $270' \times 140'$, तथा खेरली पुरोहित नहीं लाडपुरा, जिला कोटा में स्थित है।

बी० पी० मित्तल
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 11 जून, 1974

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 11 जून, 1974

निदेश सं० जे-3/73(24) 2/20—यतः मुझे, वी० पी० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 6, है, जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 दिसम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपादारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती सत्यगुनप्यारी देवी विधवा डा० रूप नारायण माथुर।
- (2) महेन्द्रनारायण बहैसियत स्वयं व बहैसियत मुख्याराम (3) श्री दीक्षेन्द्र कुमार (4) रवीन्द्र कुमार पुत्रान, स्व० डा० रूप नारायण माथुर व कुमारी अंजिला रजनी पुत्री डा० रूपनारायण (अन्तरक)
2. (1) सर्वे श्री संजय मंगल
- (2) विजय मंगल पुत्रान श्री राधेश्याम मंगल (संरक्षक) श्यामगढ़ हाउस, चांद पाल दरवाजा, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए उत्तद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वल्पीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विष्वन बाग संसारचन्द्र रोड चौकड़ी हवाली शहर जयपुर में प्लाट नं० ८। कुल क्षेत्रफल 966.66 वर्गमील में 666.66 वर्ग-गज।

वी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 11 जून, 1974

मोहर:

प्रख्युप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 11 जून 1974

निर्देश सं० जे-3/73(23) 11/14—यतः मुझे बी० पी०

मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० सी० है, जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3 दिसंबर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती बसीरुनीसा
- (2) श्रीमती मनिशा खातून उर्फ मुमताज दुल्हन

(3) मुनावरप्रली श्रव्युल कादर पुत्र नवाबजादा मुहम्मद भुजजन अली खान, एम० आई० रोड, जयपुर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती खिलाफट बी० विन्त मोहम्मदीन धेर चन्द्रवतान चौकड़ी, विश्वेश्वर जी, जयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुमताज बाग एम० आई० रोड, जयपुर में प्लाट नं० सी०, प्लाट का क्षेत्रफल 196 वर्गगज।

बी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख 11 जून, 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून 1974

निदश म० जे-17/73(24) 10/124—यतः मुझे, वी० पी० मितल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट “ए” है, जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची उमे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के नार्यलय, जोधपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 दिसम्बर, 1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) सर्वे श्री मदनलाल पुत्र श्री हस्तीमल जी पारख
(2) पुब्राज पुत्र हस्तीमल जी पारख पावटा, जोधपुर

(अन्तरक)

- 2. श्री मानक लाल पुत्र नेमोचन्द जी पारख, उदय मंदिर, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 'ए' जो पावटा क्षेत्र, मण्डेर रोड, जोधपुर में स्थित है।
कुल क्षेत्र फल 1457 वर्ग गज।

वी० पी० मितल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 11 जून, 1074

मोहर :

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरेक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून, 1974

निर्देश सं० जे-17/73 (24) 13/12—यतः मुझे वी० पी० मिस्त्री आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विवास वर्तने का प्रारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० प्लाट 'ई' है, जो जोधपुर में स्थित है (और इसे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के दायानियत जोधपुर में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 दिसम्बर, 73 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृग्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तर्गत की गई है और मैं यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृग्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति के लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने के लिये सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुमरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अंकितयों, अर्थात् :—

2-176 GI/74

1. श्री मदनलाल पुत्र हस्तीमल जी ओमवाल पारख पाटा, मण्डोर रोड, जोधपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री भंवर लाल सलेचा पुत्र मिश्रीलाल सलेचा सुमेर बाजार, जोधपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्सवधी व्यक्तियों पर सूचना वी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विषये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, अंतेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट 'ई' जो पाटा मण्डोर रोड, जोधपुर में स्थित है । कुल क्षेत्र फल 1212, 5 बर्ग गज ।

वी० पी० मिस्त्री
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरेक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीखः 11 जून, 1974

मोहरः

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 जून, 1974

निर्देश सं० जे-३/७३(२३) १२/१५—यतः मुझे बी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० ३४-एच-१ है, जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ३ दिसंबर, ७३ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर आधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर आधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती बशीरनिमा
(2) मुनिबा खातून उर्फ मुमताज दुलहन
(3) मोहम्मद अब्दुल वदीर पुत्र मोहम्मद मोश्यम अलीखा मुमताज बाग, जयपुर।

(अन्तरक)

2. मोहम्मद मुनबर अली खा० पुत्र मोहम्मद मोश्यम अली खा०, मुमताज बाग, एम० आई० रोड, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुमताज बाग, एम० आई० रोड, जयपुर में मकान सं० ३४ एच-१, कुल भैयफल २५९ वर्ग गज जिसमें से निमित क्षेत्र ५३ वर्ग गज है।

बी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 11 जून, 1974

भोग्यः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 जून 1974

निर्देश सं० ए० सी०-76/आर-IV/कल०/74-75—यतः मुझे आर्ज बागम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 164 है, जो पो० ए० शाह रोड, थाना टालिंगंज में स्थित है (ओर हमसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार आफ आलिपुर एट बैंहाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17 नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वै किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री बेनु गोपाल बागुर,
65, पार हरिराम गोये का स्ट्रीट, कलकत्ता-17
- (2) श्री निवास बांगुर,
16, आलिपुर रोड, कलकत्ता-27

(अन्तरक)

2. बांगुर लैंड इवेलर्समेंट कारपोरेशन लि०
5 देश प्राण, शासमल रोड, कलकत्ता-33

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभाषित हैं, वही शब्द होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4 कट्टा 12 छटाक 10 स्वायार कीट, फीहोल्ड जमीन, प्रेमिसेस सं० 164, पी० ए० शाह रोड, थाना-टालिंगंज, खतियान सं० 587, 562, 584 सी० एस० दाग सं० 70, 71, 283 के अंत, मौजा शारकसुपुर।

आर्ज वर्गिस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता

54, एफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 5 जून, 1974

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 जून 1974

निदेश सं० ए सी क्य० 23-I-56/11-4-73-74—यतः मुझे जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्थेये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 5132, शीट नं० 116 बाईं नं० 2 है, जो स्टेशन रोड, पोरबंदर में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है अंर यह वि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्रक्त (अन्तर्रक्तियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निःनिष्ट रहेंगे से उक्त अन्तरण लिखित में चास्तिक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-व के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं:

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नालिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री हेमेन्द्र कुमार भगवत् जो, पोरबंदर (हाल बम्बई) (अन्तरक)

2. (1) श्री स.मंजो भाई ल.धभाई,

(2) श्री गोकलदास भाई लाधाभाई,

(3) श्री हमन लाल भाई लाधाभाई

(4) श्री रत्नीलालभाई लाधाभाई,

(5) श्री चन्द्रभुज लाधाभाई, सुदामा रोड पोरबंदर

(अन्तरिती)

(3) श्री ज्यंतीलाल एम, जोशी, "हेमेन्द्र भुजा," स्टेशन रोड, पोरबंदर,

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या ताम्बांबी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किय जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसर मे. किए गए आक्षेपो, यदि कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख अंर स्थान नियत विधायिका और उसकी सूचना हर एसे व्यक्ति को जिसने एसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर एसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती दैवा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपो की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-व में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो "हेमेन्द्र भुवन" के नाम से जाता है और जो 1256-9 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और जिसका सर्वे नं० 5132, शीट नं० 116 बाईं नं० 2 है और जो स्टेशन रोड, पोरबंदर पर स्थित है और जिसकी तीनांतरितिवित है:—

पूर्व—52-6 फुट का रास्ता

पश्चिम—20 फुट का रास्ता

उत्तर—रेलवे स्टेशन की सीमा

दक्षिण—रास्ता।

जे० कथूरिया

सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

अहमदाबाद

तारीख:—5-6-1974

मोहर:—

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 अह द बाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 जून 1974

निदेश सं० एसीक्य० 23-I-58/11-1/73-74—
यतः मुझे जै० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 2, 3, और 4 है, जो मजेवडी दरवाजा के बाहर, जूनागढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के अधीन 13-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण किलेख के ग्रनुसार अन्तर्गत कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तर्क (अन्तर्को) और अन्तर्गत (अन्तर्गतों) के बीच तथा गधा ऐसे अन्तर्गत के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्गत निखित में वार्ताविक्षण से वर्णित नहीं किया गया है —

(क) अन्तर्गत से ही विसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः यदि, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) मैसर्ज दिलीप विजय आइल मिल्स, वानापीठ, जूनागढ़, के भागीदारः

1. श्री दिलीप कुमार कनकराय 10:321, डा० आम्बेडकर रोड माटुगा, बम्बई-19।

2. श्री हरखंद विरचंद, वादी खड़को, दागारोठ जूनागढ़।

3. श्री शाह बनेचंद अमीचंद, भाटीगा धर्मशाला के निकट जूनागढ़। (अन्तरक)

(2) मैसर्ज ललित एण्ड कंरी के भागीशरः —

श्री धीरजनाल मनजी भाई मजेवडी दरवाजा

के बाहर, जूनागढ़। (अन्तरिग्नी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यावधियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में विए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्तियों को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गती को दी जायेगी।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होंगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 2828-62-77 वर्ग मीटर भूमि पर स्थित है और जिसका प्लाट नं० 2, 3 और 4 है और मजेवडी दरवाजा के बाहर जूनागढ़ में स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं:—

पूर्व:—जूनागढ़ बड़ाल रोड।

पश्चिम:—खामधोल रोड।

उत्तर: प्लाट नं० 5, और इसके दोनों कोनों तान।

दक्षिण:—प्लाट नं० 1, और वीरा इस महमद का मकान।

जै० कथूरिया

सचिव प्राधारादे

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 अहमदाबाद

तारीख:—5-6-1974

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता का कार्यालय

कलकत्ता, 14 जून 1974

निम्न सं० ए० सी०-७९/आर०-IV/कल०/७४-७५—
अतः, मुझे जारी विभिन्न आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 3 है, जो ईश्वर चौधुरी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार आफ एश्योरेस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह संबंधी का कारण है कि विधायकोंका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्रीमती निहारकणा चौधुरी, 15/जै० निमत्ता लेन कलकत्ता
(अन्तरक)

श्रीमती भगवती देवी, 8/3 चिन्तामनि दास लेन कलकत्ता ।
(अन्तरिती)

फो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभूषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लगभग 2 कट्टा 4 छाटीक जमीन प्रेमिसेस सं० 3 ईश्वर चौधुरी रोड, कलकत्ता में, साथ उस पर दो तल्ला इंट की बना भकान जो होलडीं। सं० 245 और 177, सब डिवीजन VI द्वेष्टि पनचाश प्राम जिला-24 परगना, थाना टालिंगंज का अंश है।

जारी वर्जिस
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त ' (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता 54, एफी अहम्मद किंदवाई
रोड, कलकत्ता-16

तारीख :— 14-6-1974

मोहूर :

प्रस्तुप आईटी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रैर्वन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 31 मई, 19774

निर्देश सं० के०-१५/७३(२१)/१०३ —यत्, मुझे वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र के अधीन संधारन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और और और जिसकी सं० प्लाट नं० 11 (भाग) है, जो कोटा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9 नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ दोनों गया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री हरेश चन्द (2) महेश चन्द पुत्रान श्री कैलाश नाथ जी सज्जीमन्डी, कोटा (अन्तरक)

(2) सर्वश्री अतामोहम्मद हाजी पुत्र मोहम्मद सुलेमान 2. अब्दुल्ला 3. मोहम्मद रफी 4. इस्माइलुद्दीन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डॉ० सौ० एम० रोड, कोटा, स्थित ज्ञात नं० 11 का विलायती भाग, ज्ञात प्लाट ज्ञेन्फल ६०' x ३४'।

वी० पी० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 31 मई, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 31 मई, 1974

निर्देश सं० के० 15/73(21)/104:— यतः, मुझे, वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 19 1 (19 1 का 43) की धारा 269-ख के अधीन मकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- द० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 11 (भाग) है, जो कोटा में स्थित है (ग्रोर इससे उपावन्ध अनुभूमि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्सी अधिकारी के कार्यालय, कोटा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9 नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल वे लिए रजिस्ट्रीशन विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्वश्री हरेशचन्द्र 2. महेशचन्द्र पुस्तक श्री कैलाश नाथजी सर्जी मंडी, कोटा (अन्तरक)

(2) श्री इम्त्याज अन्नी पुत्र अमालदीन पुत्र श्री नजीर मोहम्मद चाँद गेट, कोटा (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर, 11 (पीछे का भाग) डी० सी० एम० रोड, कोटा झेजफल, 60' x 33'-6", दोनों ओर सोमा दिवारे हैं।

वी० पी० मित्तल,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 31 मई, 1974

मोहर :

प्रूण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वैयालिय महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 31 मई, 1974

निर्देश सं० के-15/73(21)/105 :—यतः, मुझे वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 11(भाग), है, जो कोटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कोटा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9 नवम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकारी शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिनिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

3—176G1/74

(1) मर्वशी हरेश चन्द (2) महेश चन्द पुत्रान श्री कैलाशनाथ जी श्रग्रवाल मञ्जी गंडी, कोटा (अन्तरक)

2. मर्वशी हनीफ मोहम्मद पुत्र श्री शहाबुद्दीन (2) हाजी अहमान अली पुत्र हाजी श्याम बख्श चान्द गेट कोटा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवालियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 11 (पीछे का भाग) डी० सी० एम० रोड, कोटा, क्षेत्रफल 60'×33'-6"।

वी० पी० मित्तल,

गवर्नर प्राधिकारी

महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 31 मई, 1974

मोहर।

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

व्यायाम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 31 मई, 1974

निर्देश मं० एम० 6 /73(22)/1/2 :—यतः, मुझे, वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और और जिसकी मं० हवेली है, जो जगतपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के वार्यालय, मांगानेर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तररक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने वे अन्तरक के दायित्व में कभी बने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्याली शुरू वर्ते के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यष्टियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती दुर्गा कुमारी विधवा ठाकुर पृथ्वी मिहं जी ठिकाना श्याम गढ़, पदनपुरा हाउस, मिविल लाइन, जयपुर (अन्तर्गत)

(2) श्रीमती उपा खेतान पति श्री हरीप्रसाद खेतान, बी-56, तिलकनगर, जयपुर (अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में पर्याप्तिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

जगतपुरा तहसील मांगानेर में एक हवेली, क्षेत्रफल 6740 वर्ग गज।

(वी० पी० मित्तल),
मन्त्री प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 31 मई, 1974

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग का कार्यालय

दिनांक: 26 मई 1974

निर्देश स० ए०-८०/गौ०/७४-७५/६२९-३९ —यतः, मुझे, एन० पचुआउ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० पता नं० 661 दाग नं० 2006 है, जो एस० आर० मि० बि० रोड, फेनसी बाजार, गौहाती, कामरूप जिला, आमाम में स्थित है (और इसमें उपावड्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गौहाती में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29 नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के सिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (क) महमद अतवार रमून, (ख) महमद अनवार रमून (ग) महमद इफतिकार रमून (घ) श्रीमती नचिम महाबुला (ङ) श्रीमती चनिम हजारिका, (ब) श्रीमती तची-निम आरा हुस्मेन और (छ) श्रीमती बदरून नेहार हजारिका। लाखटोकिया, गौहाती, कामरूप जिला, आमाम (अन्तरक)

(2) (क) श्री गोपाल चन्द्र दे (ख) श्री देवाश्रम दे, (ग) श्री रत्नीत कुमार दे, (मरा) अमवानी कुमार दे का लड़का, धुबरी।

वर्तमान ठेकाना :—मोदगन स्टोर, एस० आर० मि० बि० रोड, फेनसी बाजार, गौहाती, कामरूप जिला, आमाम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एवं द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो श्री अवधि बाद में समाप्त होती हो), के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें:

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीमत की नापाई 1 काटा 16 लोचास, एस० आर० मि० बि० रोड, फेनसी बाजार, गौहाती, कामरूप जिला, आमाम जो कि पता नं० 669, दाग नं० 2006 में पड़ी है।

उत्तर : श्री चैतन्य मोहारी,

दक्षिण : एस० आर० मि० बि० रोड,

पुरुष : कुतुब अलि दिबान के जमीन

परिचय : जोगानी राइस मिल।

एन० पचुआउ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 26 मई, 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भुवनेश्वरका का यालिय

दिनांक 30 मई 1974

निर्देश सं० 9/74-75/J. A. C. (AR) B B S R—यह;
मुझे, भि० अ० स० मुर्ली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन संक्षेप सम्पत्ति को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० प्लाट नं० 134 और 137 है, जो बेराना में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 नवम्बर,
1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

श्रृः श्रब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रव्यतः—

1 (1) श्री मदन मोहन सामन्तरा

(2) पिता-मृत युधिष्ठिर सामान्तरा (अन्तरक)

2. श्रीमती रमा महापात्र स्वामी-श्री गोविन्द महापात्र
(अन्तरिती)

भज्ञाटिया—1. w 5. Jaggi

2. साबती मतपथी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस राजवार सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरितों को दी जाएगी।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती वैग के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में प्रथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो महला पक्का मकान प्लाट नं०-134 और प्लाट नं०-137
में हैं। खाता नं०-163 का नं०-10, मौजा-बेराना और सब-
रजिस्ट्रेशन अफिस, भुवनेश्वर-1 धाना-नया राजधानी, जिला-पुरी।
वह मकान सत्य नगर (भुवनेश्वर-8) में है और होल्डिंग नं०-
131, उसकी ड्कुमेट नं०-6099 और 16 नवम्बर, 1973 में
रेजिस्टर हुआ था।

भि० अ० स० मुर्ली,
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भुवनेश्वर

तारीख : 30 मई, 1974

मांहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जून, 1974

निदण म० प० सी० क्य० 23-1-171/16/6/1-75—
यत्, मुझे जै० वर्तुरिया आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
स० रजिस्ट्रीकृत विलेख में वर्णित है, जो हिन्दू इन्डियन-
रिंग बूक्स के मामले डेवरभाई रोड राजकोट में स्थित है (आंग
इमम उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी वे कार्यालय राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1961 (1961 वा 16) के अंतीन 2 नवम्बर,
1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यत् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध से उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गांगीलाल दुलंभजी बीरगनी, 6, दीयानपरा,
राजकोट (अन्तरक)

(2) श्रीमती जनमृगा कीणोरचन्द्र C/o रसीक भाई एम०
महेता, मानूषाया, 26 भालूपग, राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति, आक्षेप यदि, कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के उसर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति वो, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की गुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों ओर पदों का, जो
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिनका क्षेत्रफल 142.2 वर्ग गज है और जो
हिन्दू इन्डियनियरिंग वर्क्स के मामले डेवरभाई रोड, राजकोट
में स्थित है और जो रजिस्ट्रीकृत विलेख में पूर्ण रूप से वर्णित है।

ज० कथुरिया,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

नारीन 1 जून, 1974
मोहर

प्रख्या आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 जून, 1971

निदेश म० ग० सी० क्य० 23-1-169/16-6/74-75
यतः, मुझे, ज० कथूरिया आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी म० प्लाट न० 3 है, जो डेवर भाई रोड, गजकोट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गजकोट में भार्गीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 16) के अधीन नवम्बर, 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने के लिए सुकर बनाना ; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जीवन लाल जादवजी भाई श्रीनीवारा C/o श्रीनीवारा ग्रास वर्स, गोडार रोड, गजकोट (मन्तरगढ़)

(2) श्रीमती ललीताबेन छनजीभाई उर्फ श्रीतीभाई मीनपग राजकोट (अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीयां शुल्क करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्राप्त ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 143-2 वर्ग गज है और जिसका प्लाट न० 3 ए० है जो बड़गामा गोरेज के निकट ढेवरभाई रोड, गजकोट में स्थित है।

(ज० कथूरिया),
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I
वहमदाबाद.

तारीख : 1 जून, 1974
मोहर .

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 51, रफ़ अहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 31 मई 1974

निर्देश सं० 144/एकुरे:III/74-75/हुगली—यतः, मुझे जिं० भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, 1961 का 43 की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 50-53 है, जो ब्रिगेड रोड, बैंगलूरु में स्थित और जिसकी मं० 118, 119, 120 है, जो अमरेन्द्र मरनी, उत्तरपारा, हुगली में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय साब-रजिस्ट्रार, श्रीगमपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908-(1908 का 16) के अधीन

22-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वकृत समाजिक उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विद्या गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुल्क रने के कारण ऐसे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, जब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन गिर्मान्वित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्रीमती निहारदाला देवी,

46/2 ब्लॉ, वॉमपारग लेन,

कलकत्ता।

(अन्तरका ।)

2. श्री कृष्णधन धोप, 118, अमरेन्द्र मरनी, उत्तरपारा, हुगली। (अन्तर्गती)

3. श्री द्वापरधन धोप, 228, अमरेन्द्र मरनी, उत्तरपारा, हुगली। (वह व्यक्ति जिसके अविभोग में सम्पत्ति है।)

4. 1. श्री गोपाल नन्द ग्रादक, 2. श्री गोविन्द नन्द अदिक दोनों का पता 3, जयशंकर नेन पो० आ० उत्तरपारा, हुगली।

श्रीमती मीना बेगम आरमारी, आम धर्म; पो० आ० भद्रकाली, जिला हुगली।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पंचांगी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 112 एकड़ जमीन माथ उस पर अब स्थित मकान आदि जो मौजा उत्तरपारा, जिला हुगली, खत्तियान सं० 1624, मिं० एम० दाग सं० 118-120, अधुना 118-120 अमरेन्द्र मरनी उत्तरपारा, हुगली पर अब स्थित है।

जिं० भारतीय,

सक्षम प्राधिकारी

भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III 51, रफ़ अहमद किंदवाई रोड, कल-16

तारीख : 31-5-1974

मोहर :

प्रस्तुप आठ० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत गवर्नर

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 28 मई 1974

निर्देश सं० जे०-३/७३(22) 14/20—यत्, मुझे वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० प्लाट नं० ए० 47 है, जो जयपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 नवम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच स्थ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दोंमें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अनुलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री प्रगत चन्द नवलद्वा पुत्र श्री मोहनलाल नवलद्वा (ग्रीमवाल) निवासी चोकड़ी घाटदेव्याजा गास्ता माहल्ला कालान जयपुर (अन्तर्गत)

(2) श्री गमरिशोर पुत्र श्री गमचन्द्र बैध्य (बैण्डेलवान) निवासी—परनानियों का वौक गस्ता पीतनियों चौकड़ी विश्वेश्वरजी जयपुर। (अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आवेदन, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बजाज नगर जयपुर में प्लाट नं० ए०-47। प्लाट का कुल क्षेत्रफल 1056.2 वर्गमीटर। टोटल एरिया में से 585 वर्गमीटर निर्मित क्षेत्र है।

वी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 28 मई 1974

सोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961) का 43 की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 29 मई 1974

निर्देश सं० जे०-१७/७३(२२)३/१९३—यतः मुझे वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और और जिसकी सं० इमारत है, जो जोधपुर में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 नवम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विवेद के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अनुसरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या कि धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अम, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

4—176 GI/74

(1) श्री कान्तिचन्द्र चेला पुत्र श्री उवयचन्द्र जी भट्टारक निवासी चामोहगुर साहिब की हवेली जोधपुर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती शांतिदेवी जोशी पल्ली वैद्य बाबू लाल जी जोशी पीपली चौक जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेरियों के बास जोधपुर, स्थित चानोद गुरु साहिब की हवेली के 6 कमरे, तीन बरणे तथा 2 गेरेज।

वी० पी० मिस्सल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 29-5-74

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 28 मई 1974

निर्देश सं० जे०-१७/७३(२२) १/९२—यतः मुझे, वी० पी०
मित्तल आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है और जिसकी सं० इमारत है, जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपावर्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर 16 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्यूल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ याया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कान्तिशन्द खेला पुत्र श्री उदैचन्द्रजी भट्टारक चानोद गुरु साहिब की हवेली जोधपुर। (अन्तरक)
(2) श्रीमती शांतिदेवी जोशी पत्नी बाबूलाल जी जोशी पीपली घोक जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेरियों के बास जोधपुर स्थित चानोद गुरु साहिब की हवेली के द्वी कमरे मय मुख्य द्वारा से कमरों तक का रास्ता 33 फीट लम्बा।

वी० पी० मित्तल
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख: 28 मई 1974

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, तारीख 29 मई 1974

निर्देश सं० जे०-३/७३(२१) २३/१०—यतः, मुझे वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० ए० ३७ है, जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर 12 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्यूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सीताराम शर्मा पुत्र श्री गुलाबवन्द निवासी क्षेत्रवाडा तह० जयपुर जिला जयपुर (ii). श्री देवीनारायण एडवोकेट पुत्र जयेन्द्रनाथ चौधरी, पार्क हाउस स्कीम प्लाट नं० ७८० एम० आई० रोड, जयपुर । (अन्तरक)

(2) सर्वंश्री मनीराम पुत्र गंगाराम (ii) दयालचन्द्र (iii) श्री प्रभातीलाल (iv) श्रवणकुमार (v) प्रह्लादशरण पुत्रान श्री मनीरामजी कुम्भावत जयपुर नारीका नाका नया बोरिंग के पास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में विए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है स्थान सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ए०-३७ शास्त्री नगर, बनीपार्क जयपुर । प्लाट का कुल एरिया 1066.6 वर्गगज । भूखण्ड पर एक कमरा, लेट्रिन बाथरूम व रसोई घर बने हुए हैं।

वी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 29-5-74

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 मई 1974

निर्देश सं० के०-15/73(21)75/197—यतः, मुझे वी० पी० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है, जो कोटा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर 9 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भुजफ्फर हुसैन पुत्र एम० फिदाहुसैन मोहल्ला बार्ड राधिविलास, टोपटा कोटा। (अन्तरक)

(2) सर्वे श्री मोहम्मद हुसैन (2) बुरहा-मुद्वीन (3) शदवर हुसैन पुत्र एच० एम० अब्दुल हुसैन, भीमगंज मन्डी कोटा, जंकशन। (अन्तरिती)

(3) श्री मुजफ्फर हुसैन (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अंतर्न के प्रति इस सूचना के उक्त में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 3, स्लालावाड रोड, कोटा 1 जमीन का कुल क्षेत्रफल 120 फीट × 100 फीट=12000 वर्गफीट है।

बी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 28-5-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 मई, 1974

निर्देश स० जे०-३/७३(२२)४०/२७—यत, मुझे वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० ए० ५८ है, जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 नवम्बर 24 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अध्यने के लिये सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने के लिये सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री बिंगे डियर रघुवीर मिहू पुत्र
प्रतार्पित महिला कल्याण पुरुष तह०
साँगानेर जिला जयपुर द्वजरिए
मुख्यालय आम श्री नवलकिशोर पुत्र
देवीलाल अग्रवाल—साँगानेर (अन्तरक)

(2) दी० जयबैक कर्मचारी हाउसिंग
कोआपरेटिव सोसायटी नि० जयपुर (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाही शुरु करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समान व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में किया गया है ।

अनुसूची

मैंजर शेतान सिंह कालोनी जयपुर में प्लाट नं० ए० ५८, प्लाट का कुल क्षेत्रफल 1121 वर्गगज है । पूर्व पश्चिम 120 फीट उत्तर दक्षिण 85 फीट ।

वी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जयपुर

तारीख : 28-5-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 मई 1974

निर्देश सं० शी०-२३/७३(२२)१/८१:—यतः, मुझे, शी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है, जो भरतपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भरतपुर

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 6, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

(क) अन्तरण से दृई किसी आय की बावजूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती राजेन्द्र कौर पत्नी श्री दलबीर सिंह कौम जाट जरिए मुक्तारखाम श्री दलबीरसिंह पुत्र बलबीरसिंह
(2) दी भरतपुर केन्द्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड भरतपुर द्वारा श्री बाबू सिंह मैनेजर

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बाईं नं० १ मिविल लाहौन, भरतपुर, प्लाट कुल क्षेत्रफल 4000 वर्गगज है।

शी० पी० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख : 18-5-74

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर का कार्यालय

दिनांक 24 मई 1974

निर्देश सं० जे-3/74(1) 3/9—यतः, मुझे वी० पी० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं 2 है, जो जयपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 जनवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अधिन के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमनी विलम कंवर पत्नि स्व० श्री जसवन्तराज जी ओसवाल
निवासी चम्पानगर, ज्यावर (राजस्थान) (अन्तरक)

(2) फर्म यूनिवर्सल जैम्स बम्बई द्वारा

श्री नरेश चन्द जौहरी पुत्र श्री कान्तीलाल जी जैन,
निवासी-80 मरीन ड्राइव, बम्बई (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

चान्द आइस फैक्टरी बरडिया कालोनी मोती इंगरी रोड, जयपुर में प्लाट नं 2 । विक्रय की गई सम्पत्ति का कुल क्षेत्रफल 609.61 वर्गजग है ।

वी० पी० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 24-5-74

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर का कार्यालय

दिनांक 21 मई 1974

निर्देश सं० जे-३/७४(४) १/१—यत, मुझे, वी० पी०
मिस्ल, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० ए० ५ ए० है, जो जयपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्युल विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवश्यक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवश्यित था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यत: अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अमर सिंह पुत्र श्री प्रह्लाद मिह राजपूत, जनता कालीनी, जयपुर (अन्तरक)

(2) 1. श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री छुट्टनलाल जैन, निवासी—गाव व तहसील पहाड़ी जिला भरतपुर। 2. चाहतखां पुत्र श्री अमीरखां निवासी प्राम खण्डेला तहसील पहाड़ी, जिला भरतपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपों, मदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

द्रक स्टैण्ड स्कीम आगरा रोड, जयपुर स्थित प्लाट ए० ५ ए०, पूरा क्षेत्रफल 1044. 22 वर्गजू है।

वी० पी० मिस्ल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 21-5-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर का कार्यालय

दिनांक 28 मई 1974

निर्देश मं० जे-3/74(3) 3/2—यतः, मुझे, वी० पी० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 16 है, जो जयपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2 फरवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ले० नागर्यण मिह पुत्र धन्मजी

उपनाम धनमिह धामाई निवासी

लालपुरा कालोनी, वनस्थली मार्ग,

संसार चन्द्र रोड, जयपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीतादेवी गुरोहित धर्मपत्नी

राधेश्वाम जा पुरोहित

निवासी संसार चन्द्र रोड,

जयपुर वनस्थली मार्ग

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तकर्ता के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जयपुर जहर चौकड़ी हवाली वनस्थली मार्ग, लालपुरा कालोनी में पाक प्लाट नं० 16 स्थित है। जिसका थोक्फल 444.44 वर्गगज है।

वी० पी० मित्तल,
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 28-5-74

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्षिक सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 मई 1974

निर्देश स० ए० सी०-७५/आर०-IV/कन०/७४-७५—यतः
भुक्ति, जारी वर्गिग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसका मूल्य 164 है, जो प्रिन्स आनवर शाह रोड, थाना
दालिंगज में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मब रजिस्ट्रार
श्रीलिपुर एट बेहाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 वा 16) के अधीन 22-11-1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता
विलेख के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हड्डि किसी आय का बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या
उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण ऐसे द्वारा अभिमिल्खित किए गए हैं।

आतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(i) बेनु गोपाल वागुर
68, गर्हशिराम मार्ग, रोड, नना-११-८

(ii) श्रीनिवास वागुर
16 शालिमुर रोड, नना-११-८। (अन्तर्गत)
वागुर लैंड डेवलपमेंट एग्जेंशन लिमिटेड
5, देश प्राण शगमन रोड, नना-११-३३। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पंचधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3 कठा 11 छटाक 33 स्कोपर फिल्ड जमीन, 164 प्रिन्स
आनवर शाह रोड, थाना दालिंगज, जिला 24 परगना, खतियान
मूल्य 562, 563 मिल ०५० प्रम० दाग मूल्य ६२ और ६३ के प्रंग मोजा
श्रीनगर।

जारी वर्गिग,

गश्तम प्राप्तिराशि,

महायादि आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

तारीख : 31-5-74

मोदर :

प्रस्तुप आई० डी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हुबली

हुबली, दिनांक: 2 जुलाई 1974

निर्देश स० 61/74-75/एच० एक्य०—यह, मुझे आर० पार्थसारथी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज हुबली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है और जिसकी स० ० मर्वे न० 125/1ग्र० है, जो बागलकोट तालूक के मुरनाल गाव में स्थित है (श्रीरहमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण व्यूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्षालय, बागलकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-4-1974 के दिन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियमित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व ये कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य अस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री डोगरो माब उनाल माब बालीकार, मुरनाल गाव, बागलकोट तालूक, विजापुर जिला।

(2) श्री मनसुर माय उनालगार बालीकार, मुरनाल गाव, बागलकोट तालूक, विजापुर जिला, अपने बाटमुखियार डोगरीमाब बालीकार के जरिये।

(3) श्री लालमाब जिनालमाब (जिनेमाब) बालीकार, मुरनाल गाव, बागलकोट तालूक, विजापुर जिला, अपने बाटमुखियार डोगरीमाब बालीकार के जरिये।

(4) श्रीमती हमनबा, पीरमाब ममगोली की पत्नी, मुरनाल गाव, बागलकोट तालूक, विजापुर जिला, अपने बाटमुखियार डोगरीमाब बालीकार के जरिये।

(5) श्रीमती हुमेनबी, लालमाब अफगान की पत्नी, मुरनाल गाव, बागलकोट तालूक, विजापुर जिला, अपने बाटमुखियार डोगरीमाब बालीकार के जरिये। (अन्तरक)

2. (i) श्री एम० बी० हल्लूर, मुरनाल।
(ii) श्री बी० जी० मुलाखे, दर्जी, बागलकोट।
(iii) श्री बी० जी० शिगाडे, दर्जी, बागलकोट।
(iv) श्री एल० जै० अबोरे, दर्जी, बागलकोट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसको सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिजापुर जिला, बागलकोट तालूक के, मुरनाल गाव में बागलकोट-बेलगाव रोड पर, रि० सर्वे न० 125/1ग्र० का 11 एकड़ 8 गुंडा मापन का विन शेन्की जमीन मे, जो 96 प्लाटों में विभाग किया गया है, अलग अलग सैक्ष्णों के 48 प्लाट।

आर० पार्थसारथी,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हुबली।

तारीख : 2-7-1974।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली-1 का कार्यालय

केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली।

दिनांक 5 जुलाई 1974

निर्देशम० आई० ए० एस०/पक्ष्य०-II/1549/74-75/1531
—यत, मुझे, सी० वी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसको म० 5-ग है, जो 'एम' ब्लाक कनाट सर्व०, नई दिल्ली मे स्थित है (श्रौत इसमे उपायद अनुभूति मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्री० ता० अधिकारी के वार्तालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्री० रु० अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री० कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन वर देने के अन्तरक के दायिन्य मे कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दो मे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात:—

- 1 मै० मिक्न्य कन्सल्टेशन (प्रा०) लि० 58 केन्द्र १० नोना ईन्ड नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2 विन्स्ट्रेन गर्विस एंजीनी, मैमी टान, नगन्नल कॉम्प्लिश आई० एम० मा० ०० ग०, जय मिह राइ, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

3 मै० फड मैसिनिटोज लि०

५-ए, 'एम' ब्लाक, कनाट, सर्व०, नई दिल्ली।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो मे से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा राक्ये।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर मे किए गए आक्षेपो, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हृष ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है स्था सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपो, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 4,611 वर्ग फाट जो कि 5-ए, 'एम' ब्लाक, कनाट सर्व०, नई दिल्ली मे सभी प्रकार मे बना हुआ है श्रौत निम्न प्रकार म विरा है—

पूर्व मे लीज पर श्रीमती चान्द देवी की जमीन

पश्चिम मे सर्विम लैन

उत्तर मे कलावती देवी की जायदाद

दक्षिण मे रामेश्वर मरुप नारायण श्रौत दूसरो की लीज की जमीन।

मी० वी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली,
नई दिल्ली-1

तारीख 5 जुलाई, 1974।

मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०.....

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, का कार्यालय, दिल्ली-1
केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

दिनांक: 5 जुलाई 1974

निर्देश सं० आई० ए० मी०/प्रयु०-II/1563/74-75/
1531—पत०, मुझे, मी० दी० गुप्ते, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सधम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी म० प्रयु०-68 है, जो ग्रेटर कैलाण्ड-II, नई दिल्ली में
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुमूर्ति में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-1-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विनेक के अनुमार अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तम पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 2) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने के
लिए सुकर बनाना ।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा
अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं० डॉ० एन० गप० युवार्द्धित० नि०
40-ए०, कनाट पैनप नई दिल्ली । (अन्तरक)
2. आर्ती मरवार पनी जिन्नदर नाथ मरवार,
निवासी एम-९०, ग्रेटर कैलाण्ड-II, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तासील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत विए
जाएंगे और उसकी सूचना हर एसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्र फल 361 वर्ग गज जिसका
न० प्रयु०-68 जो कि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाण्ड-II के गाव
बहारपुर, दिल्ली में है ।

सी० वी० गुप्ते,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली-
नई दिल्ली-1

तारीख: 5 जुलाई, 1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली-1 वा कार्यालय
केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली

तारीख 4 जुलाई 1974

निर्देश सं० आई० एन० सी०/एक्य०-II/1577/74-75/1531—
यन्: मझे, सी० बी० गने, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसका म० टब्ल्यू-39 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीग इसमें उपाबद्ध अनुसंधानी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए रजिस्ट्रीकृत विशेष के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए गुकर बनाना।

और यत. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैं डी० एल एफ० युनाईटेड लि०, 40-एफ०, कनाट पैलेस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. दलीप सिंह मन्धु पुत्र श्री मान्ता सिंह मन्धु, कन्नलिंग इंजीनियर और थेकेदार, अमहर बासराहा, ईराक (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी प्रकृति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथाप्रभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सभी अधिकारों महित जमीन का प्लाट नं० डब्ल्यू-39 क्षेत्रफल 100 थर्गे गज जो कि निवासी कानोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली के गाव वहारपुर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।—

पूर्व : मझे

पश्चिम : दूसरों की जमीन

उत्तर : प्लाट नं० डब्ल्यू-41

दक्षिण : प्लाट नं० डब्ल्यू-37

सी० बी० गने,
सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 4 जूनाई, 1974

मोहर :

प्रस्तुत आर्थिक रिपोर्ट एवं प्रगति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूरु का कार्यालय

दिनांक 20 जून 1974

निर्देश मं० मि० आर० 62/1999/73-74—प्रतः, मझे, आर० क्रिष्णामूर्ति, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), बैंगलूरु आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० स्थावर सम्पत्ति नं० 6 (पुराना नं० 503, 1143 और 1019) है, जो ओल्ड तालुक कवेरी रोड, अलसर पेट, बैंगलूरु, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूरु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को चारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद किमी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए मुकार बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकार बनाना।

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रावितः—

1. (1) श्रीमती महेश्वरी देवी (2) प० एच० मोहम्मद हसीमुर रहमान (3) मोहम्मद हसीमुर रहमान (4) मोहम्मद श्रमलम पाणा (5) मोहम्मद नूरदीन अफसल (6) मोहम्मद अममन पाणा (7) मोहम्मद ताजीदीन अहमद (8) प० ए० गजजावद हृदर (9) जैबुनीमा बेगम (10) मोहम्मद रजा दृष्टेन और (11) मोहम्मद रियामोहान पतनवाचो चेन्टपट्टना बैगलूर जिला। (अन्तरक)

2. श्री प० रामकिण्णाराव और मुब्बागाव चावत 14, एन्टरी बेन्कटप्पा लेन तिगलारपेट, बैगलूरु (अन्तरित)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 6 (पुराना नं० 503, 1143 और 1019) ओल्ड तालुक कवेरी रोड, अलसर पेट, बैंगलूरु। कार्पोरेशन डिविलियन 27 (नया नं० 42)।

आर० क्रिष्णामूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूरु

तारीख: 20-6-74

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अंजन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 20 जून 1974

निर्देश सं० सि० आर० 62/1970/73-74—

यसः, मुझे, भार० शृण्मूति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूर

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० खुली जगह नं० 817/सी, है, जो VII ब्लाक बेस्ट, जयनगर, बैंगलूर-11 में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बैंगलूर-11 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-12-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विनेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सिए सुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों से पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अनिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यातः—

6-176GI/74

1. श्रीमती मुत्यालम्मा पत्नी सीतारामा रेडी नं० 817 ए, VII ब्लाक बेस्ट, जयनगर, बैंगलूर-11 (अन्तरक)

2. श्री पी० बालकृष्ण, पुत्र मुव्वन, नं० 494, VII ब्लाक बेस्ट, जयनगर, बैंगलूर-11 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियों शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अंजन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रथी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अंजन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उमकी मूचना हर ऐसे व्यक्ति का जिसन ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरितों का दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभासित हैं, वही अर्थ होगा। जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूल्य

सैट नं० 817, VII ब्लाक बेस्ट, जयनगर, बैंगलूर-11

आर० शृण्मूति,
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अंजन रेंज, बैंगलूर

तारीख 20-6-1974

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयमत (निरीक्षण)

अर्जन रेज—I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अप्रैल, 1974

निवेश सं० ए सी क्य० 23-I-70/5-1/73-74:—
यह, मुझे, जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 1001, है, जो ढानचीक के नजदीक कुण्डमगर, भावनगर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टां अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28 नवम्बर, 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे उपर्याम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमें बदलने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आन्तियों को, जिन्हें सारलीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या छन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 30-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अनिवार्यता किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति :—

1. श्री काली वास दुरगोविंद,
2. श्री धीरजलाल हरगोविंद,
3. श्री ईवेंड्र कालीवास,
4. श्री सूर्यकान्त कालीदास,

5. श्री रमेशभाई कालीदास,
6. श्री कीरीर भाई धीरजलाल,
7. श्री विधीन धीरजलाल,
8. श्री नितीन धीरजलाल,
9. श्री दिलीप धीरजलाल,

कागवी की दुकान, कौटावाला डेला के सामने, भावनगर, (अन्तरक)

1. श्री ज्यन्ती लाल अमृत लाल,
2. श्री चम्पक लाल अमृतलाल,
3. श्री रसीकलाल अमृतलाल
4. श्री नगीनदास अमृतलाल,
5. श्री जयसुखलाल अमृतलाल,

गाँव—नोधिणबदर, जिला :—भावनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने का अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बंगला जो “सरस्वति मदन” के नाम से जात है और जो 1038-10 वर्ग मीटर क्षेत्र पर स्थित है और जिसका प्लाट नं० 1001 है, और जो ढान चौक के निकट, कुण्डमगर टाउन प्लॉनिंग स्कीम भावनगर में स्थित है।

जे० कथूरिया,
सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 5 अप्रैल, 1974

अर्जन रेज -- 1

मोहर :

अहमदाबाद

प्रूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
 अर्जन रेज-I अहमदाबाद
 अहमदाबाद, दिनांक 6 अप्रैल, 1974

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-1-65/1-1/73-74:—
 यतः, मुझे जे० कथूरिया
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 की धारा 269-घ के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह
 विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
 बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
 जिसकी सं० सीटी सर्वे० नं० 4343, फायल प्लाट नं० 19,
 है, जो पाँचकुवा फायर ग्रिंगे के निकट, कालुपुर वार्ड-1-बी०,
 अहमदाबाद मे० रित्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे० और पूर्ण
 रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदा-
 बाद, मे० भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
 का 16) के अधीन नवम्बर, 1973

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित की
 गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
 सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
 से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
 यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
 बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे० वास्तविक रूप से कथित नहीं
 किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
 (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों मे० पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण मे० मे० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कौशिक कुमार रमणलाल शाह, बंगला नं० 6,
 स्वामिनारायण कालोनी, मणिनगर, अहमदाबाद-8 (अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मणदास रेहमल माझीजा कवीता बेनीफाई
 प्राइवेट लीमिटेड के लिये, 2805, सुगन महल, कालुपुर, कोटनी
 रोड, अहमदाबाद-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
 के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
 कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
 किए जाएंगे और उसकी सूचना दूर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
 आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एनद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
 व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
 की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
 20-क में व्यापकर्मित हैं, वही अर्थ होगा, जो
 उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सैलर (भोरा) सहित मकान जो 68 बर्ग गज क्षेत्र
 पर स्थित है और जिसका सिटी सर्वे० नं० 4343, फायल प्लाट,
 नं० 19 है और जो पाँचकुवा फायर ग्रिंगे के निकट, कालुपुर वार्ड
 1-बी० अहमदाबाद मे० स्थित है।

जे० कथूरिया,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज—1
 अहमदाबाद,

तारीख : 6 अप्रैल, 1974

मोहर :

प्रलृप आई०टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269८ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

अनन्तापुर, दिनांक 20 मार्च 1974

निर्देश सं० आर० ए० मी०-169/74:—यतः, मुझे एस० बाल सुब्रमण्यम् आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 26९८ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 14/91 कमलानगर है, जो अनन्तापुर में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनन्तापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29 नवम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269८ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269८ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पी० टी० रामाचारलू पुत्र टी० मिगारान्नरलू सब० द्वेषरी ऑफिसर (रिटायर्ड), अनन्तापुर। (अन्तरक)

2. (1) श्री बी० नारायण रेड्डी (2) बी० सदासीव रेड्डी C/o देसाई नागीरेड्डी बांडुली मोजा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रबंधी व्या तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्याप्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैर के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति:—14/91, कमलानगर, अनन्तापुर क्षेत्रफल 800 वर्गगज।

एस० बाल सुब्रमण्यम्,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज हैदराबाद।

तारीख: 20 मार्च 1974
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

इन्दौर, दिनांक 18 मार्च 1974

निर्देश सं० सक० रजि०/इन्दौर/ 30-11-73.—यतः, मुझे, एम० एफ० मुन्ही आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है, जो तुकोगंज, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तर्गती (अन्तर्गतियों) के बीच तय पाया गया एंसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से इसी किसी आय कि आबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त मर्पति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुमति में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (1) श्री हरीगम पुत्र श्री मिलकी राम जी पाहूजा (2) श्रीमती सुखी बाई पत्नी श्री हरीराम पाहूजा साकिन-87, महारानी रोड, मनोरमा गंज, इन्दौर, (मध्य प्रदेश)।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र मिहू पुत्र श्री गोकुल सिंह सा० 1 डेरी कम्पाउण्ड, मनोरमा गंज, इन्दौर, (म० प्र०) (अन्तर्गती)। को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर एंसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

प्रष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 2, गली नं० 1 जो कि साउथ तुकोगंज, इन्दौर में स्थित है। क्षेत्रफल 50' X 100' = 5000 वर्ग फीट।

एम० एफ० मुन्ही,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल।

तारीख : 18 मार्च, 1974

मोहर :

प्रलूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 मार्च 1974

निर्देश सं० आर० ए० सी० 161/74—यतः, मुझे, एस० बाल सुभ्रात्यम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० 1/46, 5/9220. 47 अल्याभपेठ अनंतीन जोगीपेट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सनगरेडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और पहले कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण स्लिप्पत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीद्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जतः—

1. श्री ईश्वर लाल के पिता पूरनमल
2. श्री कुमार गोविन्द गोपाल के पिता पूरन मल ।
3. कुमार किशन गोपाल के पिता पूरन मल ।
4. कुमार राजेन्द्र प्रसाद पुत्र गीरदरी लाल ।
5. कुमार शंकर लाल पुत्र गीरदरी लाल तमाम 5. (अन्तरक)

मकान नं० 21-1-808 पटेल मार्कीट मतादीन गुप्ता (HOF) के पिता भग्नालाल, "हैदराबाद" मकान नं० 15-9-9 मुकतियार राज हैदराबाद (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर में व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

संमपत्ति "अईमाई फेट" अंदील तालूक (मीसं स्वी देवी दत्ता कंदसारी मिल्स,, अईमाई फेट जोगीफेट तालूक) (विस्त नं० 18. 27 गुन्टास सुका जयिना)

कं० सं० 1. 46 एकरस 3. 11 गुन्टास या 1. 31 एकड़रस कं० सं० 511 एकरस 14. 25 गुन्टास या 5. 92 एकड़रस कं० सं० 33 एकरस 0. 31 गुन्टास या 0. 31 एकड़रस येरेगडा-चेलका ।

एस० सुब्रामनियम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 11-3-1974
सोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 17 मई 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/1941/73-74/ए० सी० क्य००
(बी०)—यत्, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), बैंगलूर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 29 (पुराना) नं० 3 (नया) है, जो 'शान्तिविलास', नज़राबाद, मैसूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मैसूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने के लिए मुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना;

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अनिमित्तित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्री पी० वेणुगोपाल चेट्टी (ii) बी० वासुदेव, नं० 920/1, लक्ष्मीपुरम, मैसूर (अन्तरक)

2. (i) श्री गंगाराम (ii) हरिलाल (iii) श्रीचन्द्र नं० 2936/1, अशोक इस्ट बास, नं० 32, मैसूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा वार्ताविधा शुरू करता हूं।

उक्त गमनि के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशब्द विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 29 (पुराना), नं० 3 (नया) 'शान्तिविलास' नज़राबाद मुहल्ला, मैसूर।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज बैंगलूर

तारीख 17-5-1974
मोहर

प्रस्तुप आई० टी० प० ए० प० स०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 मई 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/1910/73-74/ए० सी० क्य००
(बी०)—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 484 है, जो 38 और 39 फ्लाइंग के बीच, 8 फ्लाइंग, जयनगर बंगलूर-II में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बंगलूर-II में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन एक० ई० 15-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीबुल सब्लेख के अनुमार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण री हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे हारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री आर० जी० विश्वनाथ सेट्टी पुत्र श्री आर० जो० सेट्टी नं 56 बासप्पा ले श्रोट, बैंगलूर-19 (अन्तरक)

2. श्री एम० आर० श्रीरामग्न्य सेट्टी पुत्र श्री आर० सेट्टी, 12-ए२ अग्रहारम, चामराजनगर, बैंगलूर-18 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तरीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित विया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तरीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी गायी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित विया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेट नं० 484/8 फ्लाइंग (38 श्रीरू 39 के बीच) जयनगर बंगलूर-II।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 16-5-1974
मोहर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर का कार्यालय

बैंगलूर, दिनांक 16 मई 1974

निर्देश सं० सी० आर० 62/1896/73-74/ए० सी० क्य० (बी०) —यतः, मुझे, आर० कृष्णर्मति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), बैंगलूर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० म्युनिसिपल नं० 1-324 डी०, 6 स्कोयर मकान, शेष, सैट और अन्य मकान है, जो कोल्लेगल शहर, मंडया ज़िला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोल्लेगल, मंडया ज़िला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रत्युत्तर अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का धारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-176GI/74

1. श्री एन० श्रोनिवासन S/0 श्री नारायणस्वामी मुदलियार, नं० 1-324, कोल्लेगल, मंडया ज़िला। (अन्तरक)

2. श्री एम० बी० सुब्रह्मण्य S/0 श्री एम० बी० बेकट्ट्या, एम० एल० सी०, मलवल्ली नगर नालूका, मंडया ज़िला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रश्नकृत शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति

- (1) सैट के हिस्से में छ: स्कोयर मकान
- (2) शेष का विस्तीर्ण 5175 स्कोयर फीट ($115' \times 45'$)
- (3) सैट का विस्तीर्ण 27280 स्कोयर फीट ($155' \times 176'$)
- पौर (4) अन्य इमारतें जो म्युनिसिपल खते नं० 1-324 डी० कोल्लेगल शहर, मंडया ज़िला में स्थित।

मार० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख : 16-5-1974

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 268-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, बैंगलूर का कार्यालय
 बैंगलूर, दिनांक 16 मई 1974

निर्देश सं० सि० आर० 62/1938/73-74/ग० सी० क्य०
 (बी०) —यत, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 56 नया नं० 9 है, जो 10 ए०, मैन रोड, V क्रास, I ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर-11 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के सिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
 (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, लिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 268-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री ए० एस० महालिङ्गपा पुत्र श्री विश्वाकण्ठपा, नं० 2958 III मैन रोड, वानीविलासपुरम, मैसूर (अन्तरक)
 2 श्रीमती मुकिरद्वामा पत्नी श्री मुनिनन्जपा नं० 203 नया नं० 23, और हैंस, IV क्रास, II ब्लाक, जयनगर बैंगलूर-11 (अन्तरिती)

3 श्री के० नरसिंहलु सेट्टी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 56 नया नं० 9, 10 ए० मैन रोड, 5 II क्रास I ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर-11।

आर० कृष्णमूर्ति
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज बैंगलूर

तारीख 16-5-1974
 मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर का कार्यालय

बैंगलूर, दिनांक 14 मई 1974

निर्देश सं० मि० आर० 62/1946/73-74/ए० सी० क्य० (बी०) — यत्, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० 32 और 33 है, जो पार्क रोड (कोटिंगे लेन) बैंगलूर-53 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट स्थित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीक्युट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुधार बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुधार बनाना।

प्रीर अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मरियम्मा पल्ली श्री लेट ननजप्पा नं० 15, कुमारा पार्क ईस्ट, बैंगलूर-1 (अन्तरक)

2. श्री के० एल० रामकृष्ण राव नं० 32833, पार्क रोड (कोटिंगे लेन) बैंगलूर-53 (अन्तरिती)

3. श्री के० रघुनाथ (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 32 व 33 पार्क रोड (कोटिंगे लेन) बैंगलूर-53।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 14-5-1974
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 14 मई 1974

निर्वेश सं० सिं० आर० 62 / 1904 / 73-74/ए० सी० क्य०
(बी०), यत, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) बैंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 119, 146, 160, 160/1 और 160/2 नया नं० 2, और 3 बसवश्वा टेम्पल स्ट्रीट, है, जो अन्नेपेट, बैंगलूर सिटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. एच० रामनाथ राव नं० 2425, VI क्रास' मल्लेश्वरम, बैंगलूर-3 (अन्तरक)

2. श्री एम० बसवाचारी नं० 72, सनजीवप्पा गल्ली, कावडी बेन सेट्रीपेट बैंगलूर मिट्टी (अन्तरिती)

3. (1) मिद्यालाल जैन
(2) जी० रामचन्द्र राव
(3) चिदानन्द
(4) चम्पालाल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० पुराना नं० 119, 146, 160, 160/1, 160/2 और नया नं० 2 और 3 जो बसवश्वा टेम्पल स्ट्रीट, अन्नेपेट, बैंगलूर मिट्टी में स्थित है।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख 14-5-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-IV, कलकत्ता का वार्यालय

54, रफी अहमद किल्डवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक 5 जून 1974

निर्देश सं० ए० सि०-७७/आर-IV/कल०/७४-७५—यतः, मुझे, जार्ज वर्गिस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 164 है, जो पी० ए० शाह, रोड, थाना टालिंगज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार आफ आलिपुर एह बट्टाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ह्रृदि किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1 श्री बेनुगोपाल बासुर,
65, शार हरराम शोपे का रुटीट, कलकत्ता-7
2. श्रीनिवास बासुर,
16, आर्मिपुर रोड, कलकत्ता-27 (प्रन्तरक)
- 3 बासुर लैड, डेवेलपमेन्ट कारपोरेशन लि०
5, देश प्राण शामल रोड, कलकत्ता-33 (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिमूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गती को दी जाएगी।

एतद्वारा अपने यह अधिमूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5 कट्टा 5 छटाक 42 स्कोयार फिट फिटोन्ड जमीन, 164 धी० ए० शाह रोड, थाना टालिंगज, खनियान सं० 587, 562, 584, 590, सि० एस० दाग सं० 70, 71, 283, 285 के श्रग, मौजा आरकपुर।

जार्ज वर्गिस,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता

तारीख : 5-6-1974

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

विज्ञापन सं० 31

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1974 को निर्धारित आयु-सीमाओं के अन्तर्गत होनी चाहिए, किन्तु सरकारी कर्मचारियों को उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसी छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है। ऊपरी आयु-सीमा में भूत-पूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनिया, उगांडा और संयुक्त गण-राज्य टजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रव्रज्ञ कर आए लोगों के कुछ वर्षों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु-सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों से सुधोमय उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसा वेतन न देने का उल्लेख किया गया हो, विशेषतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारंभिक वेतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्र और विवरण सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुरोध करते समय पद का नाम, विज्ञापन संख्या एवं मद-संख्या अवश्य लिखें और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम 23×10 सें. मी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफाफा भेजना चाहिए। लिफाफे पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपत्र भाग जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रव्रज्ञ कर आए वस्तुतः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद क्रमशः बर्मा और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क माफ कर सकता है जो यथार्थ : निर्धन हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन-पत्र भेजना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-प्रपत्र न मिलने पर साइ कार्यालय पर आवेदन कर सकते हैं और स्थानीय भागतीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अप्रेक्षित होने पर उम्मीदवारों को माक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। रु० 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए रु० 2.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर सहित, आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अनिम तारीख 2 मितम्बर, 1974 (विदेशों में तथा श्रीमान एवं निकोबार द्वीपमण्डल में रहने वाले आवेदकों के लिए 16 मितम्बर, 1974) है। ख्रेनाना रसीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम-संख्या 18 का पद स्थायी है। क्रम-संख्या 6, 7, 13, 14 और 15 के पद स्थायी हैं किन्तु उन पर नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जाएगी। क्रम-संख्या 8 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके स्थायी कर दिए जाने की संभावना है। क्रम-संख्या 1 से 5, 9 से 12, 16

और 17 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके आनिश्चित काल तक चलते रहने की संभावना है।

क्रम संख्या 5 एक का पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। क्रम-संख्या 11 के 3 पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं और यदि अनुसूचित जातियों के उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलते हैं तो उन में से एक पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित समझा जाएगा और दो पद अनारक्षित समझे जाएंगे। क्रम-संख्या 11 के 2 पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं और यदि अनुसूचित जातियों के उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलते हैं तो उनमें से एक पद अनुसूचित आदिम-जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेगा और एक पद अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 12 के 5 पद और क्रम-संख्या 16 का पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं किन्तु यदि अनुसूचित जातियों के उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलते हैं तो उन्हें अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 12 के 3 पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं किन्तु यदि अनुसूचित आदिम जातियों के उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलते हैं तो उन्हें अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 14 का पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है किन्तु यदि अनुसूचित जातियों/प्रनुसूचित आदिम जातियों के उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलते हैं तो उसे अनारक्षित समझा जाएगा। क्रम-संख्या 18 का पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है जिसके लिए केवल वे ही आवेदन करें।

1. एक प्रधानाचार्य, वाणिज्य कार्य संस्थान, मोरी रेड, विल्ली, तकनीकी शिक्षा निवेशालय, विल्ली प्रशासन। वेतन :—रु० 1100-50-1300-60-1600। आयु-सीमा :—50 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वाणिज्य/प्रबन्ध/व्यापार प्रशासन में कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) लगभग ग्राम वर्ष का व्यावसायिक अनुभव जिसमें तीन वर्ष का अध्यापन या किसी तकनीकी कार्य-क्रम के प्रशासन/व्यायोजन में हो।

2. एक बरिष्ठ हिन्दी अधिकारी, थोजना आयोग। वेतन :—रु० 1100-50-1600 (परिशोधित)। आयु-सीमा 40 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री स्नात पर अंग्रेजी के विषय महिन हिन्दी में "मास्टर" डिग्री या डिग्री स्तर पर हिन्दी के विषय महिन अंग्रेजी में "मास्टर" डिग्री या समकक्ष योग्यता। (ii) हिन्दी में पारिमापिक शब्दावली के कार्य का और/या अंग्रेजी से हिन्दी में तथा हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद करने का कम से कम 7 वर्ष का अनुभव।

3. एक प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केन्द्र विल्ली, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 1100-50-1200-100 1500। आयु :—वरीयत : 45 वर्ष से कम। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से गणित/भौतिकी/रसायन विज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री या समकक्ष योग्यता या इंजीनियरी/प्रौद्योगिकी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री।

(ii) सुबोध वैज्ञानिक नेतृत्व के क्षेत्र में वैज्ञानिक/तकनीकी प्रकाशनों के संपादक तथा प्रस्तुतीकरण का लगभग 6 वर्ष का अनुभव जिसमें कम से कम 3 वर्ष किसी दायित्वपूर्ण निदेशकीय तथा प्रशासकीय हैसियत से हो । (iii) वैज्ञानिक/तकनीकी प्रकाशनों से संबद्ध किसी प्रेस के प्रबंध का अनुभव ।

4. एक प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय । वेतन :—रु० 1100-50-1200-100-1500 । आयु :—वरीयत : 45 वर्ष से कम । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) भौतिकी/प्रयुक्ति भौतिकी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री या समकक्ष योग्यता । अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वैद्युत इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता । (ii) मार्गदर्शक प्रक्षेपास्त्रों के क्षेत्र में अभिकल्पन तथा विकास का लगभग छह वर्ष का अनुभव जिसमें कम से कम तीन वर्ष आन्तरिक माप पद्धति के अभिकल्पन में किसी दायित्वपूर्ण प्रशासकीय तथा निदेशकीय हैसियत से उच्च परिशुद्धि वैद्युत चुम्बकीय संवेदी तथा चालक तथा उनके विकास के संकृत लूप व्यवहार के प्रयोग तथा अध्ययन के संदर्भ में हो ।

5. तीन उप नियन्त्रक—भंडार मान्यताय सूचितान संवक्षण, इस्पात और खान मंत्रालय । वेतन :—रु० 700-40-1100-50-2-1250 । आयु-सीमा :—40 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक या सिविल या वैद्युत या खान इंजीनियरी में डिग्री या समकक्ष योग्यता । (ii) किसी सरकारी विभाग या सार्वजनिक निकाय या निजी प्रतिष्ठान में तकनीकी भंडारो, मशीनरी तथा उपस्करों की आवाग्नि, व्यवस्था तथा अनुरक्षण का किसी पर्यवेक्षकीय हैसियत से सात वर्ष का अनुभव ।

6. एक परियोजना अधिकारी, सिविल विमानम् भारतीय शास्त्रालय, पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय । वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950 परिशोधित रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 । आयु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वैमनिक/यांत्रिक इंजीनियरी में डिग्री या समकक्ष योग्यता । (ii) वायुयान के अभिकल्पन तथा विकास में उच्चुक्त या उससे संबद्ध किसी संगठन के अभिकल्पन विभाग में लगभग 2 वर्ष का अनुभव ।

7. एक सहायक निदेशक (बचाव), राष्ट्रीय सिविल सुरक्षा कालेज, मानपुर, गृह मंत्रालय । वेतन :—रु० 620-30-830-35-900 परिशोधित रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 । आयु-सीमा :—40 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता । (ii) अग्नि-शमन इंजीनियर्स संस्था की एसोशिएट सदस्यता या समकक्ष योग्यता । (iii) बचाव तथा अग्नि-शमन कार्य में अनुदेशक के रूप में लगभग 5 वर्ष का अनुभव अथवा किसी प्रतिष्ठित अग्नि-शमन सेवा में लगभग 5 वर्ष का अनुभव जो स्टेशन अफसर से कम रैक का न हो ।

8. दो मुल्य इंजीनियर, मात्रियकी विभाग, गोआ, दमन और वियु सरकार । वेतन :—रु० 450-15-600-परिशोधित रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 । आयु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—वाणिज्य तौ विभाग द्वारा जारी किया गया मछलीमार जलयान के इंजीनियर या मछलीमार जलयान के इंजिन चालक या समुद्रगामी जलयान के इंजिन चालक की मध्यमता का प्रमाण-पत्र ।

9. दो कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी वैमानिक विकास प्रतिष्ठान, बंगलौर, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय । वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (परिशोधित) । आयु :—वरीयत : 30 वर्ष से कम । योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता ।

10. दो कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय । वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-830-800-द० रो०-30-35-900 परिशोधित रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० आयु :—वरीयत : 30 वर्ष से कम । योग्यताएं : अनिवार्य :—दोनों पदों के लिए : किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वैमानिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री या समकक्ष योग्यता ।

11. ग्यारह सहायक इंजीनियर, समुद्रपार संचार सेवा, संचार मंत्रालय । वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (परिशोधित) आयु-सीमा :—30 वर्ष । सरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तक और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के सरकारी कर्मचारियों के लिए 40 वर्ष तक छूट दी जा सकती है । योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से दूर-संचार इंजीनियरी में डिग्री या समकक्ष योग्यता अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से वायरलैस के विशेष विषय के साथ एम० एम०-सी० (भौतिकी) या समकक्ष योग्यता ।

12. इकोस तकनीकी सहायक, समुद्रपार संचार सेवा, संचार मंत्रालय । वेतन :—रु० 550-25-750-द० रो०-30-900 (परिशोधित) । आयु-सीमा :—30 वर्ष । सरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तक और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के सरकारी कर्मचारियों के लिए 40 वर्ष तक छूट दी जा सकती है । योग्यताएं : अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था के दूर-संचार इंजीनियरी में डिग्री या समकक्ष योग्यता अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से वायरलैस के विशेष विषय के साथ एम० एम०-सी० (भौतिकी) या समकक्ष योग्यता ।

13. एक विरल विषयन अधिकारी (ग्रुप III) विषयन तथा निरोक्षण निदेशालय, कृषि मंत्रालय । वेतन :—रु० 700-40-1100-50-2-1250 (परिशोधन-पूर्व) । आयु-सीमा :—40 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से तेज प्रौद्योगिकी में बी० एम० सी० (टेक) या बी० एम०-सी० (फुड टेक) या बी० एस०-सी० (रसायन प्रौद्योगिकी)

या शुद्ध या प्रयुक्त रसायन विज्ञान या ड्रूपि रसायन विज्ञान या डेरी विज्ञान में एम० एम०-सी० डिग्री या समकक्ष योग्यता । (ii) कार्बनिक पदार्थों के विणेपणात्मक कार्य के क्षेत्र में या दुग्ध तथा दुग्ध उत्पादों, तेनों तथा तैलाक्त पदार्थों के विषण के क्षेत्र में जिनमें अनिवार्य तेन तथा समवर्गी वस्तुएं भी सम्मिलित हैं, लगभग पांच वर्ष का अनुभव ।

14. एक शारीरिक प्रशिक्षण तथा खेलकूद अनुदेशक, भारतीय बन कालेज, दन अनुसंधान संस्थान और कालेज, वेहुरादून । वेतन :—रु० 350-25-575 । आयु-सीमा :—30 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से शारीरिक शिक्षा में डिप्लोमा के साथ कला या विज्ञान में डिग्री या समकक्ष योग्यता अथवा मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से शारीरिक शिक्षा में डिग्री । (ii) किसी मान्यताप्राप्त संस्था में शारीरिक शिक्षा देने का लगभग 3 वर्ष का अनुभव ।

15. एक स्हायक निदेशक ग्रेड I (लागत), वस्त्र आयुक्त का कार्यालय, बम्बई, भारिंज भंडालय । वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950 परिशोधित रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 । आयु-सीमा :—35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) भारतीय चार्टर्ड लेखाकार संस्थान या भारतीय नागत एवं कार्य लेखाकार संस्थान की एमोशिएट या समकक्ष योग्यता । (ii) लागत एवं वित्तीय समस्याओं से संबद्ध कुछ अनुभव ।

16. एक वरिष्ठ प्रोफेसर, कार्यक्रम मूल्यांकन संगठन, योजना अवयव । वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250 । आयु-सीमा :—40 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(1) किसी मान्यता-

प्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकी या गणित (सांख्यिकी/सांख्यिकी में प्रशिक्षण सहित) में "मास्टर" डिग्री या समकक्ष योग्यता । (ii) किसी सरकारी विभाग या विद्यालय वाणिज्यिक प्रतिष्ठान में सांख्यिकी/आकांडा प्रमाधन कार्य का लगभग 5 वर्ष का अनुभव जिसमें किसी हॉलस्ट्रॉनिक संगणक केन्द्र में वरीयत : आई० बी० एम० 1620 प्रणाली पर वास्तविक प्रोग्रेमिंग का कम से कम 3 वर्ष का अनुभव सम्मिलित हो ।

17. अंग्रेजी का एक आख्याता, राजकीय पालोटेक्निक, गोवा बमन व दियु सरकार । वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-द० रो०-35-670-द० रो०-35-950 । आयु-सीमा 35 वर्ष । योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में डिनीय श्रेणी को "मास्टर" डिग्री या समकक्ष योग्यता । (ii) किसी मान्यताप्राप्त कालेज में अध्यापन का लगभग दो वर्ष का अनुभव ।

18. एक पुस्तकालयक, नेशनल गैलरी आफ मार्डन आर्ट, नई बिल्ली, संस्कृति विभाग । वेतन :—रु० 550-25-750-द०रो० 30-900 (परिशोधित वेतनमान) । आयु-सीमा :—40 वर्ष । सरकारी कर्मचारियों को छूट नहीं दी जाएगी योग्यताएं : अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री (ii) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से पुस्तकालय की डिग्री या डिप्लोमा । (iii) किसी मान्यताप्राप्त पुस्तकालय में कम से कम 3 वर्ष का अनुभव ।

अशोक चन्द्र बन्द्योपाध्याय,
सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

post of Commandant 35th Bn CRPF on the forenoon of 7th May, 1974.

The 22nd June 1974

No. O. II-885/69-Estt.—While proceeding on 60 days E.L., Shri T. C. Goel, a permanent Asstt. of the Min. of Supply and Rehabilitation (Dept. of Supply) on deputation to the CRPF relinquished charge of the post of SO in the Dte. General CRPF on the forenoon of 20th May 1974.

2. On expiry of leave he will be deemed to have reverted to his parent Ministry i.e., Min. of Supply & Rehabilitation (Dept. of Supply).

No. F. 7/14/74-Ests.—The President is pleased to appoint on deputation, Shri S. P. Kathpalia, Asstt. Department of Health, as SO in the Directorate General, CRPF, New Delhi in a temporary capacity till further orders.

2. He is posted to the Building Section of the Directorate General, CRPF, New Delhi and has taken over charge of his post on the forenoon of 20th May 1974.

The 16th June 1974

No. O. II-70/74-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Ex-Lt. Col. Bhairon Singh as Commandant in the CRPF in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post of Commandant 35th Bn. CRPF on the forenoon of 7th May, 1974.

3. Consequent on his appointment on deputation to the MHA as Chief Security Officer, he handed over charge of the

No. F. 7/14/74-Ests.—The President is pleased to appoint on deputation Shri U. H. Vaziramey, Asstt. Min. of Shipping & Transport (Transport Wing), as SO (Section Officer) in the Directorate General, CRPF, New Delhi in a temporary capacity till further orders.

2. He is posted to the Administration Section of the Directorate General, CRPF, New Delhi and has taken over charge of his post on the afternoon of 18th May, 1974.

No. F. 3/1/73-Ests(CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion on *ad hoc* basis Shri R. P. Tewari, Assistant Commandant as Commandant in the CRPF in a temporary capacity until further orders.

2. He handed over charge of the post of Assistant Commandant, Staff Officer to the IGP S/I, on the afternoon of 25-5-1974 and took over charge of the post of Commandant 13th Bn, CRPF on *ad hoc* basis on the forenoon of 5-6-74.

The 25th June 1974

No. O. II-650/70-Estt.—The Directorate General, CRPF Force regrets to notify that Shri P. G. Chandorkar (an officer of M.P. State Police on deputation to CRPF Force) Dy. S.P. (Coy. Comdr.) 23rd Bn CRPF Force expired on the afternoon of 13-5-1974.

S. N. MATHUR
Assistant Director (Adm.)

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 21st June 1974

No. CER/22/74.—In exercise of the powers conferred on me by clauses 20 and 21A of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby direct that every producer having a spinning plant or a group of such producers shall pack a quantity of controlled cloth during the quarter ending the 30th September, 1974, not less than 24% of the total quantity of cloth packed in square metres during the quarter ending the 31st March, 1974 or 6.88 square metres per loom shift of eight hours in relation to total number of loom shifts worked during the quarter ending on the 31st March, 1974.

Explanation I.—For the purpose of this Notification 'controlled cloth' shall mean and include 'controlled dhoti', 'controlled saree', 'controlled long cloth', 'controlled shirting' and 'controlled drill' as defined in the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68 dated the 2nd May, 1968.

Explanation II.—The basis for calculating the total quantity of cloth packed or for the number of loomshifts worked for the purpose of this Notification, shall be the information furnished to this office in the relevant CST-Return."

I. B. DUTT
Addl. Textile Commissioner

MINISTRY OF STEEL & MINES
(DEPTT. OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 11th July 1974

CORRIGENDUM

No. 2222(AMK)/19A.—The date of death of Shri A. M. Khan, Geologist (Senior), Geological Survey of India as notified in this office notification of even number dated 8-5-74 may be read as 1-2-1974 instead of 3-2-1974.

C. KARUNAKARAN
Director General

MINISTRY OF AGRICULTURE
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)
DIRECTORATE OF MARKETING AND
INSPECTION

Faridabad, the 12th June 1974

No. F. 4-6(6)/74-A.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri H. C. Sirka 8—176 GI/74

has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer, (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection at Varanasi with effect from 15th May, 1974 (F.N.), until further orders.

M. K. MURALIDHARA RAO
Agricultural Marketing Adviser

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi, the 6th July 1974

No. A. 22012/3/74-E(H).—The President is pleased to appoint Sh. S. C. Tuli as Assistant Director (Conventions, Agreements & Legislation), in the Civil Aviation Department, on an *ad hoc* basis vice Sh. B. K. Bajpai, Assistant Director (Conventions, Agreements & Legislation) granted extension of leave from the 21st June, 1974, to the 20th July, 1974.

T. S. SRINIVASAN
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 9th July 1974

No. A. 32013/5/74-EA.—The President is pleased to appoint Shri W. V. B. John, Assistant Aerodrome Officer to the grade of Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department, in an officiating capacity, with effect from the 26th June, 1974 and until further orders. Shri John is posted at Madras Airport, Madras.

No. A 32013/5/74EA.—The President is pleased to appoint the following Assistant Aerodrome Officers to the grade of Aerodrome Officer in the Civil Aviation Deptt. on a purely adhoc basis with effect from the dates noted against their names and until further orders:—

S. No.	Name	Station	Date
1.	Shri V. R. Viswanathan	Bhopal	1-7-74
2.	Shri K. S. Prasad	Mohanbari	26-6-74
3.	Shri N. D. Ghosh	Dum Dum	14-5-74
4.	Shri Ravi Tankha	Agartala	18-6-74 A.N.
5.	Shri C. R. Rao	Rajkot	17-6-74
6.	Kundan Lal	Aurangabad	5-6-74 A.N.
7.	Shri J. K. Sardana	Srinagar	14-6-74
8.	Shri G. B. K. Nair	Reg. Dir. Bombay	30-5-74
9.	Shri S. Dyal	Safdarjung	8-7-74
10.	Shri A. T. Verghese	Kumbhigram	21-6-74
11.	Shri K. V. S. Rao	Raipur	18-6-74
12.	Shri N. P. Sharma	Safdarjung	16-5-74
13.	Shri S. K. Banerjee	Safdarjung	17-6-74
14.	Shri R. Kothandaraman	Thirupathi	19-6-74

S. L. KHANDPUR
Assistant Director of Administration

FORM ITNS—

(2) Shri K. L. Ramakrishna Rao, No. 32 and 33, Park Road, Kotige Lane, Bangalore-53.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 14th May 1974

No. C.R. 62/1946/73-74/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32 and 33 situated at Park road, (Kotige lane), Bangalore-53 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, on 17-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Mariamma, w/o late Nanjappa, No. 15, Kumara Park East, Bangalore-1.

(Transferor)

(3) Shri K. Raghunath.
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing No. 32 and 33, Park Road, (Kotige Lane), Bangalore-53.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Income Tax, Acquisition Range,
Income Tax, Acquisition Range
Bangalore

Date : 14-5-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Bangur Land Development Corporation Ltd.,
5, Deshpuran Sasmal Road, Calcutta-3.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

As at S. No. 2.

(Persons in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-IV,
54, RAHI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 5th June 1974

Ref. No AC-77/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, George Varghese, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 164 situated at P. A. Shah Road, J. S. Tollygunge (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Sub-Registrar of Alipore at Behala on 16-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (i) Benugopal Bangur,
65, Sir Hariram Goenka St., Calcutta-7.
- (ii) Srinivas Bangur,
16, Alipore Road, Calcutta-27.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 Cottahs 5 Chhittacks 42 Sq. Ft. of freehold land at premises No. 164 P.A. Shah Road, PS, Tollygunge, Kh. No. 587, 562, 584, 590, part of C.S. Dag No. 70, 71, 283, 285, Mouza Arakpur

GEORGE VARGHESE,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta-16.

Date : 5-6-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1974

Ref. No. J-3/73(243)2/20.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 6 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 18-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) (i) Shrimati Satya Gun Pyari Devi wd/o late Dr Roopnarain Mathur, (ii) Mahendranarain*, (iii) Devendrakumar, (iv) Ravindra Kumar sons of Roopnarain Mathur, (v) Miss Anjila Rajni d/o Dr. Roopnarain Mathur

*through Sh. Mahendra Narain holding General Power of Attorney for (iii), (iv) and (v).

(Transferor)

(2) S/Shri (i) Sarjay Mangal, (ii) Vijai Mangal, minor sons of Sh. Radheyshyam Mangal (guardian) Shyamgath House o/s Chandpol Gate, JPR. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6 in Bichun garden, Sansarchandra Road, o/s Chandpole Gate, Chowkri Haveli Saher, Jaipur, 666.66 sq. yds. out of total plot area of 966.66 sq. yds.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 11-6-1974

Seal:

FORM ITNS—

(2) Shri (i) Ajay Mangal, (ii) Jay Mangal minor sons of Shri Radheyamji Mangal Shyamgarh House outside Chandpole Gate, JPI

(Transferee)

(3) Shrimati (Guardian) Narain Devi (person in occupation of the property)

(4) Nil

(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No 6 in Bichun garden, Sansar Chandra Road, outside Chandpole Gate, Choukri Haveli Saher, Jaipur 300 sq yds of total plot area of 966 66 sq yds

V. P. MITTAL.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range
Jaipur

(Transferee)

through Sh. Mahendra Narain holding General Power of Attorney for (iii), (iv) and (v)

Date 11-6-1974

Seal

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri (i) Pratapchand s/o Moorajram, (ii) Sh Moolajram s/o Choethiam, (iii) Rameswarprasad s/o Ramgopal Guumanpura Kota

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 11th June 1974

Ref No K 15/73(21)76/102—Whereas, I, V P Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Open Land (plot) situated at Kheri Purohit (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 9/11/1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely —

- (1) Shri Sajandas Mohta s/o Sh Kumandas r/o Purani Dhan Mandi Kota

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot measuring 270 x 140' situated on road to Kherli Purohit Tehsil 1 Andpura Dist Kota

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date 11/6/1974

Seal

FORM ITNS

(2) Shri Khilafat B. Bint Mohiuddin r/o Gher Chandrawatan Choukri Vishwesharji, Jaipur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. (ACQ.) RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1974

Ref. No. J-3/73(23)11 74.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot C situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 3-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shrimati Bashirun Nisa, (ii) Smt. Maniba Khatun alias Mumtaz Dulahan, (iii) Munwar Ali Khan, (iv) Abdul Kadar, s/o Nawab Jade Mohmed Mujjam Ali Khan, M.I. Road, Jaipur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. C situated in side Mumtaz Bagh, M.I. Road, Jaipur. Total area 196 sq. yds.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range
Jaipur.

Date 11-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE I.A.C. (ACQ.) RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1974

Ref. No. J-17 73(24)10/124.—Whereas, L. V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot A situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 20-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Madan Lal s/o Sh. Mastimal Parekh, (ii) Sh. Pukh Raj s/o Sh. Hastimal Parekh, Paote, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Manak Lal s/o Nemi Chandji Parekh, Udat Mandir, Jodhpur.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot 'A' situated in Paota area, Manore Road, Jodhpur. Total area 1457 sq. yds.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 11-6-1974

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Bhanwarlal Salecha s/o Misrimal Salecha (Oswal), Sumer Market, Jodhpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE I.A.C. (ACQ.) RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1974

Ref. No. J-17/73(24)13/125.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot D situated at Jodhpur (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Jodhpur on 20-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Madanlal s/o Hastimalji Oswal, Parakh Paota, Mandore Road, Jodhpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot 'D' situated in Paota, Mandore Road, Jodhpur. Total area 1212.5 sq. yds.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 11-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE I.A.C. (ACQ.) RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th June 1974

Ref. No. J-3/73(23)12/15.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. House No. 34-H-1 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Jaipur on 3-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Bashirunnisa, (ii) Buniba Khatoon, alias Mumtaz Dulhan, (iii) Mohd. Abdul Kadar s/o Mohd. Moazzum Ali Khan, Mumtaz Dag, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Mohammed Munnawar Ali Khan s/o Late Mohammed Moazzum Ali Khan Mumtaz Bagh, M.I. Road, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 34-H-1 Inside Mumtaz Bagh M. I. Road, Jaipur, Total area 251 sq. yds. out of which covered area 53 sq. yds.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date : 11-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

As at S. No. 2

(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
54. RAFI MARG AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 5th June 1974

No. AC-76/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, George Varghese, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 164 situated at P.A. Shah Road, PS Tollygunge (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Sub-Registrar of Alipore at Behala on 17-11-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) (i) Benugopal Bangur,
65, Sir Hariram Goenka Street, Calcutta-7.
(ii) Sriniwas Bangur,
16, Alipore Road, Calcutta-27.
(Transferor)
- (2) Bangur Land Development Corporation Ltd.,
5, Deshpuran Sasnal Road, Calcutta-33.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 Cottahs 12 Chattacks 10 Sq. ft. of freehold land at premises No. 164, P.A. Shah Road, PS Tollygunge, Kh. No. 587, 562, 584, part of C.S. Dag No. 70, 71, 283, Mouza Arakpur.

GEORGE VARGHESE
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 5-6-1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th June 1974

No. Acq. 23-I-56/77-4/73-74.—Whereas, I, J. J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 5132 Sheet No. 116, Ward No. 2, situated at Station Road, Porbandar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Porbandar on 7-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hemendrakumar Bhagwanji, Porbandar (presently at Bombay).
(Transferor)
- (2) 1. Shri Shamjibhai Ladhabhai,
2. Shri Gokaldasbhai Ladhabhai,
3. Shri Chhaganlalbhai Ladhabhai,
4. Shri Ratilalbhai Ladhabhai,
5. Shri Chatrabhuj Ladhabhai,
Sudama Road, Porbandar.
(Transferee)

(3) Shri Jyantilal M. Joshi,
"Hemendra Bhuvan",
Station Road, Porbandar.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as "Hemendra Bhuvan" standing on land measuring 1256-9 sq. yds. and bearing City Survey No. 5132, sheet No. 116 Ward No. 2, situated at Station Road, Porbandar and bounded as under :—

East : 56-6 ft. wide road.

West : 20 ft. wide road.

North : Limit of Railway Station.

South : Road.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 5-6-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th June 1974

No. 23-I-58/11-1/73-74.—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Nos. 2, 3 and 4 Outside Majewadi Gate, Junagadh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 13-11-1973 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Partners of M/s. Dilip Vijay Oil Mills, Danapith, Junagadh.

1. Shri Dilip Kumar Kanakrai,
10 : 321, Dr. Ambedkar Road, Matunga,
Bombay-19.

2. Shri Harkchand Virchand,
Vadikhadi, Danapith, Junagadh,
3. Shri Shah Vanechand Amichand,
Near Bhatia Dharmshala, Junagadh.

(Transferor)

(2) Partner of M/s. Lalit & Co.,
Shri Dhirajlal Manjibhai,
Outside Majewadi Darwaja, Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated outside Majewadi Gate, Junagadh bearing plot Nos. 2, 3 & 4 with land admeasuring 2828-62-77 Sq. mtrs. and bounded as under :—

East : Wadal Road,

West : West Khamdhrol Road.

North Plot No. 5 and Christian Cemetery.

South : Plot No. 1—House of Vora Isu Mohamed.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 5-6-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Sm. Bhagabati Day,
8/3, Chintamani Das Lane, Calcutta,
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE IV
54 RAFI MARG AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th June 1974

No AC/79/R-IV/Cal/74-75—Whereas, I, George Varghese, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 situated at Iswar Chowdhury Road, Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer Sub Registrar of Assurances, Calcutta on 15-11-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Sm. Nihar Kana Chowdhury,
15/J, Nirmala Lane, Calcutta.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Cottahs 4 Chhattacks more or less of land at premises No. 3 Iswar Chowdhury Road, Calcutta, together with two-storied brick built building thereon being portion of holding No. 245 and 177 in sub-division VI Dehi Panchannagram in the Dist. of 24-Parganas Thana Tollygunge

GEORGE VARGHESE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date, 14-6-74

Seal

FORM ITNS—

(2) Shri Atta Mohd. Haji s/o Mohammed Suleman, (ii) Abdulla, (iii) Mohd. Rafi and (iv) Ismailuddin.
(Transferee)

*(3) Nil

*(4) Nil

(person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. (ACQ.) RANGE, JAIPUR
INSPECTOR OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE II, CALCUTTA

Jaipur, the 31st May 1974

Ref. No. K-15/73(21)/103.—Whereas, I. V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 11 (Rear portion) situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 9-11-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Sys./Shri Hareshchand, (ii) Maheshchand sons of Kailashnathji, Subji Mandi, Kota.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot measuring 60'×34' on the Rear side of plot No. 11 D. C. M. Road, Kota.

V. P. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 31-5-1974

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
OFFICE OF THE I.A.C. (ACQ.) RANGE, JAIPUR
156, SECTOR 9-B

Jaipur, the 31st May 1974

Ref. No. K-15/73(21)/104.—Whereas, I, V. P. Mittal, Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 11 (read portion) situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrar at Kota on 9th November 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Svs./Shri (i) Hareshchand, (ii) Maheshchand sons of Kailashnathji Sabji Mandi, Kota.
(Transferor)

- (2) Svs./Shri Imtiaz Ali s/o Amruddin, (ii) Kamruddin sons of Nazir Mohammed Chand Gate, Kota.
(Transferee)
- *(3) Shri/Shrimati/Kumar Nil
(person in occupation of the property)
- *(4) Shrimati/Kumari nil.
(person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One open plot measuring 60'×33'.6" with boundary wall on two sides at the rear of the main plot No. 11 situated on the D. C. M. Road, Kota.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 31-5-1974.

Seal :

FORM ITNS

(2) Svs./Shri Haif Mohammed s/o Ghulabuddin, (ii)
Haji Ahsan Ali s/o Haji Imam Bux, Chand Gate,
Kota.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. (ACQ.) RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 31st May 1974

Ref. No. K-15 73(21)/105.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 11 (Rear portion) situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 9-11-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Svs./Shri Hareshchand, (ii) Maheshchand sons of Sh. Kailashnathji Agrawal, Sabji Mandi, Kota.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot measuring 60'×33' 6" on the rear side of plot 11, D. C. M. Road, Kota.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 31-5-1974

Seal :

FORM ITNS

(2) Shrimati Usha Khetan w/o Shri Hariprasad Khetan,

B-56, Tilak Nagar, Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
OFFICE OF THE I.A.C. (ACQ.) RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 31st May 1974

Ref. No. S-6/73(22)1/2.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Haveli situated at Jagatpura

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanganer on 23-11-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Durga Kumari w/o late Thakur Prithvi Singh, Thikana Shyamgarh, Padampura House, Civil Lines, Jaipur.

(Transferor)

*(3) Shri/Shrimati/Kumar Nil
(person in occupation of the property)(4) Shrimati/Kumari nil.
(person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Haveli situated in village Jagatpura, tehsil Sanganer Total area 6740 sq. yds.

V. P. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 31-5-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE SHILLONG

Shillong the 29th May 1974

Ref No A-40/Gau 74/75/629-39—Whereas I, N Pachauau being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Patta No 661, Dag No 2006 situated at S R C B Road Fancy Bazar, Gauhati, Dt. Kamrup (Assam) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 21/11/1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) (a) Md. Atwar Rasul, (b) Md. Anwar Rasul, (c) Md. Iftukar Rasul, (d) Smti. Nachim Mahabulla, (e) Smti. Chalim Hazarika, (f) Smti. Iachlim Ara Hussain and (g) Smti. Badrun Nehar Hazarika, Lakh tokia, Gauhati, Dt. Kamrup, Assam
(Transferor)
- (2) (a) Shri Gopal Chandra Dey, (b) Shri Debdas Dey, and (c) Shri Ranjit Kumar Dey, sons of Late Aswani Kumar Dey, Dhubri. Present address—Modern Stores, S R C B Road, Fancy Bazar, Gauhati, Dt. Kamrup, Assam
(Transferee)
- *(3) Shri/Shrimati/Kumari Nil
(person in occupation of the property)
- *(4) Shri/Shrimati/Kumari Nil
(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 1 K. 16 Lachas situated at S R C B Road, Fancy Bazar, Gauhati, Dist. Kamrup, Assam, covered by Patta No 661, Dag No 2006 and bounded as under—

North—Land of Shri Chaitanya Mohari
South—S R C B Road
East—Land of Md. Kutub Ali Dewan
West—Jogani Rice Mill

N PACHUAU,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Shillong

Date 29-5-1974

Seal

* Strike off where not applicable

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE, BHUBANESWAR

Bhubaneswar, the 30th May 1974

Ref. No. 9/74-75/IAC(AR)/BBSR.—Whereas, I, V. S. Murthi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 134 and 137 situated at Berana (Satyanagar) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the at Bhubaneswar on 16-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Madan Mohan Samantra, S/o late Juddhistira Samantra.

(Transferor)

(2) Shrimati Rama Mahapatra, W/o Sri Govind Mahapatra.

(Transferee)

(3) Shri W. S. Jaggi, (2) Smt. Sabitri Satpathy, (Tenants).

(person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storied building located on portion of plot Nos. 134 and 137 recorded in khata No. 163 of No. 10, Mouza Berana within S.R.O. jurisdiction of Bhubaneswar thana, P. S. New Capital, Dist. Purulia, with holding No. 131, Satyanagar, Bhubaneswar-9 and registered by sale document No. 6099, dated 16th November 1973

V. S. MURTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 30-5-1974.

Seal :

FORM ITNS

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2NR FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-38009.

Ahmedabad-380009, the 1st June 1974

Ref. No. Acq.23-I-171/16-6/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (fully described in the sale-deed) situated at opp: Hind Engineering Works, Debhainbhai Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 2-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shantilal Durlabhji Virani, 6-Diwanpara, Rajkot.
(Transferor)
- (2) Smt. Ansuya Kishorechandu, C/o. Rasikbhai M. Mehta, "Matruchhaya", 26, Millpara, Rajkot.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection(s).

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 142-2 Sq. Yds. situated opposite Hind Engg Works, Debhainbhai Road, Rajkot and as described in the sale-deed.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 1-6-1974

Seal : —

FORM ITNS—

(1) Shri Jivanlal Jadvabhai Chhaniyata, C/o Chhantyara Brass Works, Gondal Road, Rajkot

(Transferor)

(2) Smt. Lalitaben Dhanjibhai alias Shantilal, Millpara, Rajkot

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND Floor,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009 the 1st June 1974

Ref. No. Acq 231169/16 6/74 75.—Whereas, I, J. Kathuria,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Plot No 3, situated at Dhebarbhai Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Rajkot on or in November, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that the date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 143-2-0 sq yds bearing Plot No 3 situated at Dhebarbhai Road, Near Wadama Garage, Rajkot.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commission of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 1-6 1974

Seal

FORM II NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III

Calcutta-16, the 31st May 1974

Ref No 144/Acq R-III/74-75/Hooghly—Whereas, I, G. Varghese

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 118, 119, 120 situated at Amarendra Sarani, Uttarpara, Dist. Hooghly.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sub-Registrar, Serampore on 22-11-1973 Sub-Register, Serampore on 22-11-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt. Niharbala Devi, 49/1B, Bosepara Lane, Calcutta.
(Transferor)

(2) Sri Krishnadhyan Ghosh, 118, Amarendra Sarani, Uttarpara, Dist. Hooghly.
(Transferee)

(3) Sri Krishnadhyan Ghosh, 118, Amarendra Sarani, Uttarpara, Hooghly.
(Person in occupation of the property).

(4) 1. Sri Gopal Ch. Adak,
2. Sri Gobinda Ch. Adak,
both of 3, Jaysankai Lane, P.O. Uttarpara, Hooghly.
3. Smt. Mina Begum Ansari,
Vill. Dharsha, P. O. Bhadrakali, Dist. Hooghly.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

.112 acres of land more or less with buildings thereon in Mouza Uttarpara, Dist. Hooghly, under Khatian No. 1624 at c.s. plot No. 4600—4602 being known as 118—120, Amarendra Sarani, Uttarpara, Hooghly.

G. VERGHESE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta 16.

Date 31-5-1974

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Piasanna Chand Nawalakha, s/o Sh. Mohan Lal Nawalakha (Oswal), r/o Choukri Ghat Darwaja, Rasta Bhaironji, Mohalla Kalan, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ramkishore s/o Sh. Ramchandra Vaish (Khandelwal) R/o Pitaliyon Ka Chowk, Rasta Pitaliyon, Choukri Visweshwarji, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 28th May 1974

Ref. No. J-3/73(22)/14/20.—Whereas, I. V. P. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. A-47 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 16-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-47 situated in Bajaj Nagar, Jaipur. Total area 1056.2 sq. yds. out of which 585 sq. ft. is covered area.

V. P. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 28-5-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shrimati Shanti Devi Joshi w/o Vaidya Babulalji Joshi, Pipali Chowk, Jodhpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
(ACQ.) RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th May 1974

Ref. No. J-17/73(22)3/193.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. building situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jodhpur on 16-11-1973 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Kantichandra Chela S/o Sh. Udaichandji Bhattarai r/o Chanod Gurun Saheb Ki Haveli, Jodhpur.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Six rooms, three Varendah and two garrage of Chanod Guru Saheb Ki Haveli situated in Beriyan ka Bas, Jodhpur.

V. P. MITTAL,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 29-6-1974

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 28th May 1974

Ref. No. J-17/73(22)1/192.—Whereas, I. V. P. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. building situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jodhpur on 16-11-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kantichandra Chela s/o Shri Udalchandji Bhatark, Chanod Guru Sahib Ki Haveli, Jodhpur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Shanti Devi Joshi w/o Vaidya Babulalji Joshi, Pipli Chowk, Jodhpur.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two rooms including 33 ft. way from the main gate to the rooms of Chanod Guru Sahib Ki Haveli situated at Borlyon Ka Bar, Jodhpur.

V. P. MITTAL,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 28-5-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 29th May 1974

Ref. No. J-3/73(21)/23/10.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. Plot No. A-37 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jaipur on 12-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sitaram Sharma s/o Sh. Gulabchand r/o Jhotwara (Jaipur), (ii) Sh. Devinarrain, advocate, s/o Sh. Jagannath Choudhary, Park House Scheme, Plot No. 7-A, M. I. Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Maniramji s/o Sh. Gangaram, (2) Dayalchand, (3) Prabhatilal, (4) Shrawan Kumar, (v) Prahlad Sharan sons of Maniramji Kumawat, Narika Naka near Naya Boaring, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-37 Shastri Nagar, Bani Park, Jaipur, area of the plot 1066.6 sq. yds one room, Latrine, Bath room and Kitchen constructed thereon.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 29-5-1974.

Seal :

FORM ITNS —

(2) Shri (i) Mohasin Hussain, (ii) Barhanuddin, (iii) Shabber Hussain s/o H. M. Abdul Hussain, Bhimganj Mandi, Kota Jn.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

* (3) Shri Sh. Mujaffar Hussain.
(person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. (ACQ.) RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th May 1974

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 Zhalawar Road, Kota area is 120 ft.×100 ft.± 12000 sq. feet.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shri Mujaffer Hussain s/o Sh. M. Fida Hussain Bohra Mohalla Ward Radha Vilas Tipta Kota.

(Transferor)

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 28-5-1974

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS

(2) The Jai Bank Karmchau Housing Cooperative Society
Ltd., Jaipur
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IAC (ACQ) RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th May 1974

Ref No J-3/73(22)40/27—Whereas, I. V. P. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing No Plot No A 58 situated at Jaipur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 24/11/1973 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas, the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons namely —

- (1) Shri Brijgadri Raghbir Singh s/o Shri Pratap Singh, r/o Kalyanpur Teh Sanganeb Dist Jaipur through Sh. Nawalkishore s/o Sh. Devilal r/o Sanganeb holding Gen power of attorney for Shri Raghbir Singh (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No A 58 situated in Major Shaitansingh Colony, Jaipur, Total area of the plot is 1124 sq yards East west 120 ft. North-South 85 ft

V P MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date 28/5/1974

Seal

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE
JAIPUR.

Jaipur, the 18th May 1974

Ref. No. B-23/73(22)1/81.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Bharatpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bharatpur on 6-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Rajendra Kaur W/o Shri Dalbir Singh Through Shri Balbir Singh holding special power of Attorney for her. (Transferor)

(2) The Bharatpur Kendriya Sahakari Bank Limited Bharatpur through Shri Babu Singh, Manager. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 4000 sq. yards bearing Ward No. 1, Civil Lines, Bharatpur.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 18-5-1974

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. (ACQ.) RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th May 1974

Ref. No. J-3/74(1)3/9.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-1-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shrimati Vilam Kanwar W/o Late Shri Jaswant Raj Ji Oswal R/o Mohalla Champanagar, Beawer (Rajasthan).

(Transferor)

(2) Universal Gems, Bombay through M/s. Shri Nareshchand K. Johari S/o Sh. Kanti Lal Jain, R/o 80 Marine Drive, Bombay-2.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereto shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2 Adjacent to Chand Ice Factory in Bordia Colony, Moti Doongri Road, Jaipur. Total area : 609.61 sq. yds.

V. P. MITTAL,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 24-5-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) (i) Shri Mahavir Prasad S/o Shri Chuttan Lall Jain
R/o Village and Tehsil Pahari, Distt. Bharatpur;
(ii) Chahat Khan S/o Shri Amir Khan R/o Vill.
Khandewala, Teh. Pahari, Distt. Bharatpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPURObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-5A in Truck Stand Scheme, Agra Road, Jaipur.
Total area of the plot is 1044.22 sq. yards.

V. P. MITTAL,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shri Amar Singh S/o Shri Prahlad Singh Rajput,
Janta Colony, Jaipur.

(Transferor)

Date : 21-5-1974

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th May 1974

Ref. No. J-3/74(3)3/2.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot No. 16 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 2-2-1974 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri I.t. Narayansingh s/o Shri Dhanji alias Dhan Singh (caste Dhabhai Gujar) R/o Lalpura Colony, Vanasthali Marg, Sansarchandra Road, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Geeta Devi Purohit w/o Shri Radhey Shyam Purohit r/o Sansarchandra Road, Vanasthali Marg, Jaipur.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16 situated in Lalpura Colony, Vanasthali Marg, Sansar Chandra Road, Choukari Hawali, Jaipur city. Total area of the plot is 444.44 sq. yards.

V. P. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 28-5-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 31st May 1974

Ref. No. AC-75/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, George Varghese, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 164 situated at Prince Anwar Shah Road, P. S. Tollygunge, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore at Bchala on 22-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) (i) Benugopal Bangur,
65, Sir Hariram Goenka Street,
Calcutta-7.
(ii) Srinivas Bangur,
16, Alipore Road, Calcutta-27.

(Transferor)

(2) Bangur Land Development Corporation Ltd.,
5, Deshpuran Sashmal Road, Calcutta-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 Cottahs, 11 Chhattaks and 33 sq. ft. of land at 164, Prince Anwar Sahab Road, P.S. Tollygunge, Dist. 24-Parganas, Kh. No. 562 and 563, Part of C. S. Dag No. 62, 63, Mauza Arakpur.

GEORGE VARGHESE,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 31-5-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE HUBLI,
METRANI BUILDING, VIDYA NAGAR, HUBLI-21

Hubli 21, the 2nd July 1974

No 61/74-75/H Acq—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing No. S No 125/1A situated at Murnal Village, Bagalkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bagalkot on 4-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

- (1) (1) Shri Dongnisab Utalsab Walikar, Murnal Village Bagalkot Taluk Bijapur District
- (2) Shri Manasnisab Utalsab Walikar, Murnal Village Bagalkot Taluk Bijapur District by his Watumukhtryai Dongnisab Walikar
- (3) Shri Ialasab Jinalisab (Jinnesab) Walikar, Murnal Village Bagalkot Taluk Bijapur District by his Watumukhtryai Dongnisab Walikar
- (4) Smt Hasanawwa Wife of Peersab Managoli, Murnal Village Bagalkot Taluk Bijapur District by her Watumukhtryai Dongnisab Walikar
- (5) Smt Husenbi Wife of Lalsab Afaghan Murnal Village, Bagalkot Taluk, Bijapur District by her Watumukhtryai Dongnisab, Walikar.

(Transferors)

- (2) (1) Shri S. B. Hallur, Murnal.
- (2) Shri V. G. Sulakhe, Tailor, Bagalkot.
- (3) Shri V. B. Zingade, Tailor, Bagalkot.
- (4) Shri L. I. Ambore, Tailor, Bagalkot

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

45 Plots of various sizes out of 96 plots which have been formed out of non agricultural land measuring 11 acres and 8 gunthas with R S No 125/1A on Bagalkot-Belgaum Road, situated in Murnal village, Bagalkot Taluk, Bijapur District

R. PARTHASARATHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Hubli.

Date 2-7-1974

Seal.

FORM ITNS

(1) M/s. Sikand Construction (P) Ltd., 58, Friends Colony East, New Delhi.

(Transferor)

(2) Christian Service Agency, Massey Hall, National Council of YMCA, Jai Singh Road, New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s Food Specialities Ltd. 5-A, 'M' Block, Connaught Place, New Delhi. [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of lease hold plot of land measuring 4,611 sq. ft. known as 5-A, M-Block Connaught Circus, New Delhi, located in the middle circle of Connaught Circus, New Delhi together with building constructed thereon and other constructions and fixtures & fittings and bounded as under :

On the East : by land leased to Smt. Chand Devi;

On the West : Service Road;

On the North : Property of Smt. Kalawati Devi,

On the South : Land leased out to M/s. Rameshwar Sarup Narain and others.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 5th July, 1974

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY, INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

4/14-A (3rd FLOOR) SAHIB SINGH BLDG.
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1974

Ref. No. IAC/Acq.II/1549/74-75/1531.—Whereas, I, C. V. GUPTE,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-A situated at 'M' Block Connaught Circus, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed, registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 22-1-19974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. D. L. F. United Ltd.,
40-F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Arati Sarkar, W/o Shri Jitendra Nath Sarkar,
R/o M-90, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAI ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 5th July 1974

Ref. No. IAC/ACQ/II 1563/74-75/1531. —Whereas, I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-68 situated at Greater Kailash-II, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 25-1-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free hold plot of land measuring 361 sq. yds. and bearing No. S-68, in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated in Village Bahapur in the Union Territory of Delhi.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 5th July, 1974

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Dalip Singh Sandhu, s/o Shri Santa Singh Sandhu, Consulting Engineer and Contractor, Ashar Basrah—IRAQ.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 4th July 1974

Ref. No. IAC/Acq.II/1577/74-75/1531.—Whereas, I, C. V. GUPTA,
being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No W-39 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 31-1-1974,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s. D. L. F. United Ltd.
40-F, Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

All the rights, title and interest into and upon the piece and parcel of land being plot No. W-39, measuring 1100 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi situated at Village Bahapur, in the Union Territory of Delhi bounded as under:—

East : Road
West : Other's land.
North : Plot No. W-41
South : Plot No. W-37.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.
Date : 4th July, 1974
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAI ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 4th July 1974

Ref. No. IAC/ACQ.II/74-75.—Whereas, I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. 8 situated at Rajindra Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 22-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sant Singh, S/o Melu Singh, R/o R-894, New Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) (1) Smt. Inder Kaur Sahni, w/o Shri Swinder Singh Sahni, R/o II-459, New Rajinder Nagar, New Delhi.
(2) Shri Jagjit Singh Sahni, s/o Shri Manorath Singh Sahni R/o H. No. XVI/5978, Gali No. 2, Block No. 3, Dev Nagar, New Delhi.
(Transferee)
- (3) M/s State Bank of Patiala,
8, Rajendra Park, New Delhi.
(Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereon shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed cottage bearing No. 8 Rajindra Park, on Pusa Road, New Delhi built on Lease hold land measuring 375 sq. yds. and is bounded as under:—

North : Service Lane
South : Road
East : Cottage No. 7
West : Cottage No. 9

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 4th July, 1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Sri A. Ramakrishna Rao and Sri Subba Rao Chavan,
No. 14, Erlagi Venkatappa Lane, Tigalarpet,
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 20th June 1974

Ref. No. CR.62/1999/73-74/Acq(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property New No. 6 (Old Nos. 503, 1143 and 1019) situated at Old Taluk Cutchery Road, Alsoorpet, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhinagar, Bangalore on 15-11-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mahaboobi W/o, late G. M. Ahmed Hussain, S/ri (2) A. H. Mohd Hafeezur Rahiman, (3) Mohd. Habibur Rahiman, (4) Mohd. Aslam Pasha, (5) Mohd. Nooruddin Afzal, (6) Mohd. Asmath Pasha, (7) Mohd. Tajuddin Ahmed, (8) M. A. Sajjad Hyder, (9) Smt. Zabunnisa Begam, (10) Mohd. Raza Hussain and (11) Mohd. Riyazoddin, Patwanwadi, Chennapatna.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property New No. 6 (Old Nos. 503, 1143, and 1019) Old Taluk Cutchery Road, Alsoorpet, Bangalore and Corporation Division No. 27 (New No. 42).

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax.
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Muthayamma, w/o Setharama Reddy
817/A, 7th Block West, Jayanagar, Bangalore-11.
(Transferor)

(2) Shri P. Balakrishna, S/o Subbanna, 494, 7th Block
West, Jayanagar, Bangalore-11.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 20th June 1974

Ref. No. C.R. 62/1970/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, (Acquisition Range) Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Site bearing No. 817/C, 7th Block, situated at West, Jayanagar, Bangalore-11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore-11 on 15-12-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

13—176G1/74

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site bearing No. 817/C, 7th Block, West, Jayanagar, Bangalore-11.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-6-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 5th April 1974

Re. No. Acq.23-I-70/5-1/73-74—Whereas, I, J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1001, situated on Bye-lane Road, Nr. Dawn Chowk, Krishnanagar, Bhavnagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhavnagar on 28-11-1973 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Kalidas Hargovind, 2. Shri Dhirajlal Hargovind, 3. Shri Devendra Kalidas, 4. Shri Suryakant Kalidas, 5. Shri Rameshbhai Kalidas, 6. Shri Kirtibhai Dhirajlal, 7. Shri Vipin Dhirajlal, 8. Shri Nitin Dhirajlal, 9. Shri Dilip Dhirajlal, C/o. Kagdi's Shop, Opp. Kantawala Dehla, Bhavnagar.
(Transferor)

(2) 1. Shri Jyantilal Amritlal, 2. Shri Champaklal Amritlal, 3. Shri Rasiklal Amritlal, 4. Shri Nagindas Amritlal, 5. Shri Jaysukhlal Amritlal, village: Nonghanvadar, Dist: Bhavnagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow known as "Saraswati Sadan", standing on land measuring 1038.10 sq.mtrs. and bearing Plot No. 1001, situated on Bye-lane Road, Near Dawn Chowk, Krishnanagar Town Planning Scheme, Bhavnagar.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 5-4-1974.

Seal:

FORM ITNS.—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th April 1974

Ref. No. Acq. 23-I-65/I-1/73-74.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

City Survey No. 4343, Final Plot No. 19, situated Near Panchkuva Fire Brigade, Kalupur Ward No. 1-B, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad in November, 1973.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kaushikumar Ramanlal Shah, Bungalow No. 6, Swaminarayan Colony, Maninagar, Ahmedabad-8. (Transferor)
- (2) Shri Laxmandas Rebmal Makhija (Managing Director), For Kavita Benefit Private Ltd., 2805, Sugan Mahal, Kalupur, Kotni Rang, Ahmedabad-1. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building including cellar on land admeasuring 68 Sq. Yards bearing City Survey No. 4343, Final Plot No. 19, situated near Panchkuva Fire Bridge, Kalupur Ward 1-B, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 6-4-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 20th March 1974

Ref. No. RAC No. 169/74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14/91 situated at Kamalapur Ananthapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ananthapur on 29-11-1973.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri P. T. Ramacharlu, S/o T. Singaracharlu, Retd, Sub Treasury Officer Ananthapur. (Transferor)
- (2) 1. B. Narayana Reddy, 2. B. Sadashivareddy, C/o Desai Nagareddy, Boodli village, (Ananthapur Dt.) Hindupur Taluk. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for bearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property : House No. 14/91 Kamalanagar, Ananthapur, Area 800 Sq. Yards.

S. BALASUBRAMANIAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 20-3-1974.

Seal : _____

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Indore, the 18th March 1974

Ref. No. F. No. 95/Acq/SR/Ind./30-11-73.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2 Street No. 1 situated at South Tukoganj, Indore situated at Indore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 30-11-73 Indore on 30-11-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Hari Ram S/o Shri Milkiram Pahuja, 2. Smt. Sukhi Bai W/o Shri Hari Ram Pahuja, R/o 89 Maharani Road, Royal Motors, Indore.
(Transferors)

(2) Shri Surendrasingh S/o Sardar Gokulsingh, Resident of 1, Dairy Compound, Manoramaganj, Indore.
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land situated on street No. 1 Plot No. 2 measuring 50×100 sq. ft.=5000 sq. ft. South Tukoganj, Indore.

M. F. MUNSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 18th March, 1974.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY,
INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 11th March 1974

Ref No RAC No 161/74—Whereas, I S Balasubramaniam, competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 1/46, 5/92 & 0/47 situated at Almapet, Andole Jogipet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sangareddy on 7-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

- (1) 1 Lashwari S/o Puranmal 2 Kumar Govind Gopal S/o Puranmal 3 Kumar Kishan Gopal S/o Puranmal 4 Kumar Rajender Pershad S/o Girdharlal, (Minor) 5 Kumar Shankarlal S/o Girdharlal, all 5 are residing at H No 21-1-808

Patel market Hyderabad 2 and 3 minors by guardian father Puranmal 4 and 5 minors by guardian father Girdharlal

(Transferor)

- (2) Shri Matadeen Gupta, (HUF) S/o Mannalal H No 15 9-9-Mukthiyargunj, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property situated at Almapet, Tq Andole, (Known as M/s Sri Devidutta Khandasari Sugar Mills village Almapet Jogipet, Tq (total area 18 27 Guntas dry lands) —

- S No 1/46 Acres 3 11 guntas or 1 32 Hectors
- S No 5/11 Acres 14 25 guntas or 5 92 Hectors with a thatched house
- S No 3/3 Acres 0 31 guntas or 0 31 hectares known as yerragada chelka

With superstructures and machinery situated therein

S BALASUBRAMANIAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range Hyderabad

Date 11-3-1974

Seal

FORM ITNS—

(2) 1. Shri Gangaram, 2. Shri Harilal, 3. Shri Srichand
No. 2936/1, Asoka East Cross, No. 32, Mysore.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 17th May 1974

No. C.R. 62/1941/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri R. Krishna Moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing No. House property Old No. 29 and New No. 3 known as Shanthi Vilas situated at Nazarabad Mohalla, Mysore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mysore on 5-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri P. Venugopal Chetti, 2. Shri V. Vasudev, No. 920/1, Lakshmiapuram, Mysore.
(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property old No. 29 and new No. 3 known as "Shantivilas", Nazarabad Mohalla, Mysore.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date : 17-5-1974,

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri H. Ramanath Rao, No. 2425, 6th Cross,
Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferor)

(2) Shri S. Basavachari, No. 72, Sanjeevappa Galli,
Kavadi Revanna Shettypet, Bangalore city.
(Transferee)

(3) 1. Shri Mittalal Jain, 2. G. Rameshwara Rao,
3. Chidananda, 4. Champalal.
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property bearing No. (Old 119, 146, 160, 160/1, 160/2.) and New No. 2 and 3, situated in Basavanna temple street, Anchept, Bangalore city.

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 14-5-1974.
Seal :

FORM ITNS —

(2) Shri M. R. Sriramaiah Setty S/o R. Setty, 12-A, Agrahara, Chamarajpet, Bangalore-18.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 16th May 1974

No. C.R. 62/1910/73-74/ACQ.(B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 484, situated at (Between 38th and 39th cross) 8th Block, Jayanagar, Bangalore-11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore-11 on F.E. 15-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Sec. 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. G. Vishwanatha Setty s/o R. G. Setty, No. 56, Basappa Layout, Bangalore-19.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Site bearing No. 484/8th Block (between 38th and 39th cross), Jayanagar, Bangalore-11.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 16-5-74.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 16th May 1974

No. C.R.62/1896/73-74/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal No. 1-324D, consisting of properties of 6 squares of building, shed, site and other structures situated at Kollegal town, Mandy District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar of deeds at Kollegal, Mandy District on 15-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in term of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri N. Srinivasan, S/o Shri Narayanaswamy Mudaliar, No. 1. 324, Kollegal, Mandy District.
(Transferor)
- (2) Shri M. V. Subramanya, S/o Shri M. V. Venkappa, M.L.C., Malavalli town and taluk, Mandy District
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property, consisting of:—

1. 6 squares of construction in a portion of the site,
2. Shed measuring 115'×45' (i.e., 5175 sq. ft.),
3. Site area of 155'×176' (i.e., 27280 sq. ft.) and
4. Other structures, in Municipal Khata No 1-324 D in Kollegal town, Mandy District.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 16-5-74.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 16th May 1974

No. C.R. 62/1938/73-74/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishna Moorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. II House property bearing No. 56, New No. 9, situated at 10th 'A' Main Road, 5th Cross, I Block, Jayanagar, Bangalore-11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Jayanagar, Bangalore, on 19-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought not to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri A. S. Mahalingappa, S/o Shri Virupakshappa, No. 2958, III Main Road, Vani Vilas Puram, Mysore. (Transferor)
- (2) Smt. Munirudramma, W/o Shri Muninanjappa, Out House No. 203, New No. 23, IV Cross, II Block, Jayanagar, Bangalore-11. (Transferee)
- (3) Shri K. Narasimhulu Setty, [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House on site No. 56, New No. 9, 10th 'A' Main Road, 5th Cross, I Block, Jayanagar, Bangalore-11.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 16-5-74.

Seal :

**PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST
RESOURCES**

Dehra Dun, the 11th July 1974

No. 4-8/74-Adm.—Shri H. R. Mishra, Statistical Investigator, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi, is appointed as Statistical Officer, Preinvestment Survey of Forest Resources, Dehra Dun with effect from the forenoon of 4th June, 1974, on deputation basis, in a temporary capacity, until further orders.

P. N. GUPTA
Chief Coordinator

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior, the 10th July 1974

S. No. 11.—Shri K. V. Mani, Superintendent (Administration), Government Opium and Alkaloid Works Undertaking, Ghazipur is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 810/- in the revised scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the 1st July, 1974 subject to the date and stage being verified by the Accountant General, Uttar Pradesh-II, Allahabad.

V. R. SONALKAR
Narcotics Commissioner of India

**CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION
WATER WING**

New Delhi-22, the 11th July 1974

No. A-32012/6/70-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-32012/6/70-Adm.V, dated 16-1-74, the Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints the following Research Assistants to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on a purely temporary and *ad hoc* basis for a period of three months or till such time the posts are filled on a regular basis whichever is earlier, with effect from the date shown against each:—

1. Shri K.N. Appukuttan—10-4-74.
2. Shri S. N. Mone—10-4-74.
3. Shri J. B. Shaligram—10-4-74.
4. Shri M. S. Shitole—10-4-74.

K. P. B. MENON
Under Secretary,
for Chairman, C.W. & P. Commission

**UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
ADVERTISEMENT NO. 31**

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-1-1974 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants except where otherwise specified. Upper age limit relaxable upto 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhile East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well-qualified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for forms must specify name of post, Advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23 x 10 cms., indicating thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and *bona fide* displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Castes and Scheduled Tribes) 2nd September, 1974 (16th September, 1974 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Treasury receipts not acceptable.

Post at S. No. 18 permanent. Posts at S. Nos. 6, 7, 13, 14 and 15 permanent but appointment on temporary basis. Posts at S. No. 8 temporary but likely to be made permanent. Posts at S. Nos. 1 to 5, 9 to 12, 16 and 17 temporary but likely to continue indefinitely.

One post at S. No. 5 reserved for Scheduled Castes candidates, 3 posts at S. No. reserved for Scheduled Castes candidates, one of which will be treated as reserved for Scheduled Tribes candidates and two unreserved, in case no suitable Scheduled Castes candidates are available. 2 posts at S. No. 11 reserved for Scheduled Tribes candidates, one of which will be treated as reserved for Scheduled Castes candidates and one unreserved, in case no suitable Scheduled Tribes candidates are available. 5 posts at S. No. 12 and most at S. No. 16 reserved for Scheduled Castes candidates but to be treated as unreserved if no suitable Scheduled Castes candidates are available. 3 posts at S. No. 12 reserved for Scheduled Tribes candidates but to be treated as unreserved if no suitable Scheduled Tribes candidates are available. Post at S. No. 14 reserved for Scheduled Castes candidates but to be treated as unreserved if no suitable Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidate is available. Post at S. No. 18 reserved for Scheduled Castes candidates, who alone need apply.

1. *One Principal, Institute of Commercial Practice, Mori Gate, Delhi, Directorate of Technical Education, Delhi Administration.* Pay.—Rs. 1100—50—1300—60—1600. Age Limit.—50 years. Qualifications.—Essential.—(i) At least 2nd Class Master's degree in Commerce/Management/Business Administration of a recognised University or equivalent. (ii) About eight years' professional experience of which three years' should be in teaching or administration/planning of a Technical Programme.

2. *One Senior Hindi Officer in the Planning Commission.* Pay.—Rs. 1100—50—1600 (Revised). Age Limit.—40 years Qualifications.—Essential.—(i) Master's degree in Hindi with English as an elective subject at Degree level or Master's degree in French with Hindi as an elective subject at Degree level from a recognised University or equivalent. (ii) At least 7 years' experience in terminological work in Hindi and/or translation work from English to Hindi and vice versa.

3. *One Principal Scientific Officer, Defence Scientific Information & Documentation Centre, Delhi, Research and Development Organisation, Ministry of Defence.* Pay.—Rs. 1100—50—1200—100—1500. Age.—Pre-

ferably below 45 years. *Qualifications*.—*Essential*.—(i) At least second class Master's Degree in Mathematics/Physics/Chemistry of a recognised University or equivalent or 2nd Class Degree in Engineering/Technology. (ii) About 6 years' experience in Editing and Production of Scientific/Technical publications, in Popular Science writing of which at least 3 years must be in a responsible directing and administrative capacity. (iii) Experience of managing a Press dealing with scientific/technical publications.

4. *One Principal Scientific Officer, Defence Research & Development Organisation, Ministry of Defence*. Pay.—Rs. 1100—50—1200—100—1500. *Age*.—Preferably below 45 years. *Qualifications*.—*Essential*.—(i) At least Second Class Master's Degree in Physics/Applied physics or equivalent. *Or* At least Second Class Degree in Electrical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About six years' design and development experience in the field of guided missiles of which at least three years must be in a responsible administrative and directing capacity in the design of Inertial Measuring System, particularly on application and study of closed loop behaviour of high precision electromagnetic sensors and drivers and their development.

5. *Three Deputy Controllers of Stores, Geological Survey of India, Ministry of Steel and Mines*. Pay.—Rs. 700—40—1100—50—2—1250. *Age Limit*.—40 years. *Qualifications*.—*Essential*.—(i) Degree in Mechanical or Civil or Electrical or Mining Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) Seven years' experience in a supervisory capacity in a Government department or in a public body or in a private concern in procurement, provisioning and maintenance of Technical Stores, machineries and equipment.

6. *One Project Officer, Directorate General of Civil Aviation, Ministry of Tourism and Civil Aviation*. Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Revised Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300. *Age Limit*.—35 years. *Qualifications*.—*Essential*.—(i) Degree in Aeronautical/Mechanical Engineering from a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years' experience in the design department of an organisation engaged in or associated with aircraft design and development.

7. *One Assistant Director (Rescue), National Civil Defence College, Nagpur, Ministry of Home Affairs*. Pay.—Rs. 620—30—830—35—900. Revised Rs. 840—40—1000—EB—40—1200. *Age Limit*.—40 years. *Qualifications*.—*Essential*.—(i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) Associate Membership of the Institution of Fire Engineers or equivalent. (iii) About 5 years' experience as Instructor in Rescue and Fire Fighting. *Or* About 5 years' experience in a rank not below that of a Station Officer in an established Fire Service.

8. *Two Chief Engineers, Department of Fisheries, Government of Goa, Daman and Diu*. Pay.—Rs. 450—15—600. Revised Rs. 840—40—1000—EB—40—1200. *Age Limit*.—35 years. *Qualifications*.—*Essential*.—Certificate of Competency as an Engineer of Fishing Vessels

or Engine Driver of Fishing Vessels or Sea Going Engine Driver issued by the Mercantile Marine Department.

9. *Two Junior Scientific Officers, Aeronautical Development Establishment, Bangalore, Research & Development Organisation, Ministry of Defence*. Pay.—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Revised). *Age*.—Preferably below 30 years. *Qualifications*.—*Essential*.—At least Second Class Degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent.

10. *Two Junior Scientific Officers, Research & Development Organisation, Ministry of Defence*. Pay.—Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Revised Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. *Age*.—Preferably below 30 years. *Qualifications*.—*Essential*.—*For both the posts*: At least a Second Class Degree in Aeronautical Engineering of a recognised University or equivalent.

11. *Eleven Assistant Engineers, Overseas Communications Service, Ministry of Communications*. Pay.—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Revised). *Age Limit*.—30 years. Relaxable for Government servants upto 35 years and 40 years for Government servants belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes. *Qualifications*.—*Essential*.—Degree in Telecommunication Engineering from a recognised University/Institution or equivalent. *Or* M.Sc. (Physics) with wireless as a special subject from a recognised University/Institution or equivalent.

12. *Twenty-one Technical Assistants, Overseas Communications Service, Ministry of Communications*. Pay.—Rs. 550—25—750—EB—30—900 (Revised). *Age Limit*.—30 years. Relaxable for Government servants upto 35 years and 40 years for Government servants belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes. *Qualifications*.—*Essential*.—Degree in Telecommunication Engineering from a recognised University/Institution or equivalent. *Or* M.Sc. (Physics) with wireless as a special subject from a recognised University/Institution or equivalent.

13. *One Senior Marketing Officer (Group III), Directorate of Marketing and Inspection, Ministry of Agriculture*. Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1250 (Pre-revised). *Age Limit*.—40 years. *Qualifications*.—*Essential*.—(i) B.Sc. (Technical) in Oil Technology or B.Sc. (Food Technology) or B.Sc. (Chemical Technology) or M.Sc. Degree in pure or applied Chemistry or in Agricultural Chemistry or in Dairying from a recognised University Analytical work of organic material or in the field of Marketing of Milk and Milk Products, Oils and Fats including essential oils and allied commodities.

14. *One Physical Training and Games Instructor, Indian Forest College, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun*. Pay.—Rs. 350—25—575. *Age Limit*.—30 years. *Qualifications*.—*Essential*.—(i) A degree in Arts or Science with a Diploma in Physical Education from a recognised Institute or equivalent. *Or* A degree in Physical Education from a recognised University/Institution. (ii) About 3 years' experience in imparting physical education in a recognised Institution.

15. *One Assistant Director Grade I (Costing), Office of the Textile Commissioner, Bombay, Ministry of Commerce*. Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Revised Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300. *Age Limit*.—35 years. *Qualifications*.—*Essential*.—(i) Associate of the Institute of Chartered Accountants of India or Institute of Cost and Works Accountants of India or equivalent. (ii) Some experience of dealing with costing and financial problems.

16. *One Senior Programmer, Programme Evaluation Organisation, Planning Commission.* Pay.—Rs. 700—40—1100—50/2—1250. Age Limit.—40 years. Qualifications.—Essential.—(i) Master's degree in Statistics or Mathematics (with Statistics/Training in Statistics) of a recognised University or equivalent. (ii) About 5 years' experience of Statistical/Data processing work in a Government Department or Commercial concern of repute, including at least 3 years experience of actual programming in an electronic Computer Centre, preferably on I.B.M. 1620 system.

17. *One Lecturer in English, Government Polytechnic, Government of Goa, Daman and Dlu.* Pay.—Rs. 400—400—450—30—600—EB—35—670—EB—35—950. Age Limit.—35 years. Qualifications.—Essential.—(i)

Second Class Master's Degree in English from a recognised University or equivalent. (ii) About two years' experience in a recognised College.

18. *One Librarian, National Gallery of Modern Art, New Delhi, Department of Culture.* Pay.—Rs. 550—25—750—EB—30—900 (Revised scale). Age Limit.—40 years. Not relaxable for Government servants. Qualifications.—Essential.—(i) Degree of a recognised University. (ii) Degree or Diploma in Librarianship of a recognised University/Institution. (iii) At least 3 years experience in a recognised Library.

A. C. BANDYOPADHYAY

Secretary,

Union Public Service Commission